卐 श्री सदगुरू देवाय नमः 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 116 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦रविवार ♦1 फरवरी 2026 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

बजट 2026: करदाताओं को बड़ी राहत

इनकम टैक्स रिटर्न सुधारने के लिए अब मिलेगा ज्यादा समय,नौवीं बार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया बजट 2026&27

नई दिल्ली (उद संवाददाता)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026-27 के माध्यम से करदाताओं को बड़ी राहत देते हुए प्रत्यक्ष कर प्रणाली में कई महत्वपूर्ण बदलावों का प्रस्ताव रखा है। सरकार ने इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) को संशोधित करने की समय-सीमा को विस्तार देते हुए इसे 31 दिसंबर से बढ़ाकर 31 मार्च करने का निर्णय लिया है। अब करदाता मामूली फीस का भुगतान कर वित्तीय वर्ष के अंत तक अपने रिटर्न में सुधार कर सकेंगे, जिससे अनजाने में हुई गलतियों के कारण लगने वाली भारी पेनल्टी से बचा जा सकेगा। इसके साथ ही सरकार ने आईटीआर फाइलिंग की समय-सीमा को भी श्रेणीवार विभाजित किया है। अब व्यक्तिगत करदाता (आईटीआर -1 और 2) 31 जुलाई तक अपना रिटर्न दाखिल कर सकेंगे, जबकि नॉन-ऑडिट बिजनेस और ट्रस्टों को इसके लिए 31 अगस्त तक का समय दिया जाएगा। छोटे करदाताओं की सुविधा के लिए सरकार एक नियम-आधारित स्वचालित (ऑटोमेटेड) प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। इस व्यवस्था के तहत करदाता असेसिंग ऑफिसर के पास जाए बिना ही कम या शून्य डिडक्शन सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकेंगे, जिससे सरकारी दफ्तरों की भागदौड़ कम होगी और समय की बचत होगी। वहीं निवेश और प्रतिभूतियों पर लगने वाले टीडीएस की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए अब डिपॉजिटरी को ही फॉर्म 15जी और (शेष पृष्ठ सात पर)

जेब पर क्या होगा असर

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट ने मध्यम वर्ग और युवाओं के लिए राहत के कई दरवाजे खोले हैं। सरकार ने इस बजट के माध्यम से अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए आम आदमी की आकांक्षाओं को पूरा करने पर जोर दिया है। बजट के बाद अब बाजार के समीकरण बदलने वाले हैं, जिससे कई दैनिक उपयोग की वस्तुएं सस्ती होंगी, जबकि कुछ व्यसनों पर लोगों की जेब और ज्यादा ढीली होगी। मध्यम वर्ग के लिए सबसे बड़ी राहत विदेशी शिक्षा के मोर्चे पर आई है। सरकार ने मान्यता प्राप्त बैंकों या संस्थानों से एजुकेशन लोन लेकर विदेश पढ़ने जाने वाले छात्रों को टीसीएस (टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स) के दायरे से बाहर कर दिया है। अब लोन की राशि बाहर भेजते समय अतिरिक्त टैक्स नहीं देना होगा, जिससे पढ़ाई का खर्च कम हो जाएगा। इसके अलावा, एलआरएस (शेष पृष्ठ सात पर)

एम्स महिला कर्मचारी की गोली मारकर हत्या

घर में घुसकर मारी गोली, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

ऋषिकेश। तीर्थनगरी ऋषिकेश के शिवाजी नगर क्षेत्र में शनिवार की रात अज्ञात हमलावरों ने घर में घुसकर एक महिला की गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गोली चलने की आवाज से इलाके में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में पुलिस बल मौके पर पहुँचा। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एम्स भेज दिया है। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवाजी नगर की गली नंबर 16 में शनिवार रात करीब 9:30 बजे स्थानीय लोगों ने अचानक गोली चलने की आवाज सुनी। आवाज सुन कर जब लोग घटनास्थल की ओर दौड़े तो उन्होंने कुछ हमलावरों को मौके से भागते हुए देखा। घर के भीतर प्रवेश करने पर 32 वर्षीय महिला लहूलुहान (शेष पृष्ठ सात पर)

साइबर ठगों ने क्रेडिट कार्ड से सवा लाख उड़ाये

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। शहर में साइबर ठगों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ठगों ने अब दुर्गा मंदिर क्षेत्र के एक निवासी को निशाना बनाते हुए दो अलग-अलग बैंकों के क्रेडिट कार्ड से सवा लाख रुपये से अधिक की रकम पार कर दी है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर रुद्रपुर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब साइबर सेल की मदद से उन बैंक खातों और ट्रांजैक्शन की डिटेल खंगाल रही है, जहाँ ठगी की गई रकम ट्रांसफर हुई है। पुलिस को सौंपी गई तहरीर में दुर्गा मंदिर निवासी देवेन्द्र कुकरेती पुत्र स्व. नारायन दत्त कुकरेती ने बताया कि उनके पास भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के दो क्रेडिट कार्ड थे। बीते 4 दिसंबर 2025 की शाम करीब 7:00 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके साथ धोखाधड़ी करते हुए दोनों क्रेडिट कार्डों से बड़ी रकम निकाल ली। जालसाजों ने भारतीय स्टेट बैंक के कार्ड से 56,350 रुपये और पंजाब नेशनल बैंक के कार्ड से दो किस्तों में 53,430 रुपये व 10,327 रुपये की अवैध निकासी की। इस तरह ठगों ने पीड़ित के खातों से कुल 1,20,107 रुपये साफ कर दिए। पीड़ित देवेन्द्र कुकरेती ने बताया कि ठगी का अहसास होते ही उन्होंने तुरंत साइबर सेल रुद्रपुर को मामले की सूचना दी और संबंधित बैंकों के कस्टमर केयर पर फोन करके अपने दोनों क्रेडिट कार्ड बंद करवा दिए। हालांकि जालसाज तब तक सवा लाख रुपये की चपत लगा चुके थे। पीड़ित ने अब कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर देकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सीसीटीएनएस के माध्यम से मामला दर्ज कर लिया है। (शेष पृष्ठ सात पर)

सूबे की 'स्वास्थ्य सेवाओं' पर फिर लगा 'दगाबाजी का दाग'

टिहरी में एंबुलेंस की ऑक्सीजन रास्ते में खत्म होने से सफाई कर्मी की मौत,तीन दिन पहले समय पर एंबुलेंस न मिलने के कारण श्रीनगर में भी हुई थी गर्भवती व उसके अजन्मे बच्चे की मौत

-अर्श-

टिहरी/ श्रीनगर। सरकार की तमाम प्रयासों के बावजूद राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं का ऐन मौके पर दगा देने का सिलसिला खत्म नहीं हो पा रहा है। ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना में कार्यरत विनोद की पत्नी शिखा और उसके 32 सप्ताह के अजन्मे बच्चे की समय पर एंबुलेंस ना मिलने के कारण हुई मौत की त्रासदी अभी स्मृति पटल से उतरी भी न थी, कि टिहरी के जिला अस्पताल में पहले हायर सेंटर रेफर करने में देरी, फिर एंबुलेंस में ऑक्सीजन खत्म होने के कारण नगर पालिका की सफाई कर्मी रेखा देवी की मौत से, प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर दगाबाजी का दाग एक बार फिर लगने के साथ-साथ पहाड़ की आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाओं की भी असलियत सामने आ गई। सफाई कर्मी की मौत से गुस्साए परिजनों एवं नगर पालिका के कर्मचारियों ने पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत के नेतृत्व में अस्पताल गेट पर धरना दिया। हासिल जानकारी के मुताबिक तबीयत बिगड़ने पर रेखा देवी को बोराडी जिला अस्पताल ले जाया गया था।जहां, पहले तो बीमार को हायर सेंटर रेफर करने में विलंब किया गया, उसके बाद मरीज को हायर सेंटर ले

जाने के लिए जो एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई वह बेहद खस्ता हाल थी और रास्ते में ही एम्बुलेंस के ऑक्सीजन सिलेंडर की ऑक्सीजन खत्म हो गई। जिसके चलते सफाई कर्मी रेखा देवी की मौत हो गई। इसके पहले ऋषिकेश -कर्णप्रयाग रेल परियोजना में कार्यरत और यूपी निवासी विनोद की 31 वर्षीय पत्नी शिखा और उनके 32 सप्ताह के अजन्मे बच्चे की मौत सिर्फ इसलिए हो गई, क्योंकि वक्त पर एम्बुलेंस नहीं मिली। जब अस्पताल में खड़ी गाड़ी को चलाने के लिए एक मददगार आगे आया, तो अस्पताल प्रशासन ने 'स्टेयरिंग खराब' होने की बात कह दी। ज्ञात हो कि पीड़ित परिवार अस्थायी तौर पर देवप्रयाग में रहता था। बुधवार शाम को सात बजे 31 साल की शिखा खाना बना रही थी, तभी कमरे से अचानक चीख पुकार की आवाजें आने लगी। पड़ोस में रहने वाले दुकानदार शीशपाल भंडारी चिल्लाने की आवाज सुनकर कमरे में पहुंचे तो देखा कि शिखा लहूलुहान हालत में थीं। उन्होंने तुरंत पास के मेडिकल स्टोर वाले को बुलाया और अपनी गाड़ी से शिखा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागी ले गए।इसी दौरान मेडिकल स्टोर संचालक ने 108 को कॉल कर दी थी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागी पहुंचने तक शिखा (शेष पृष्ठ 7 पर)

युवक पर धारदार हथियार से हमला,घटना पर फूटा गुस्सा

किच्छा। नगर के पुराने अस्पताल रोड स्थित फास्ट फूड मार्केट में देर रात अज्ञात हमलावरों ने एक युवक पर धारदार हथियार से प्राणघातक हमला कर सनसनी फैला दी। इस हमले में वार्ड नंबर

14 निवासी प्रदीप कबीर गंभीर रूप से लहूलुहान हो गया। आनन-फानन में घायल को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी रेफर कर दिया है। घटना के बाद क्षेत्र में भारी तनाव व्याप्त है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापारियों व स्थानीय नागरिकों ने मौके पर ही धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही वार्ड (शेष पृष्ठ सात पर)

आवश्यकता है

रुद्रपुर स्थित एक प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के लिए टैली अकाउंटेंट, कैशियर, स्टोर मैनेजर आदि पदों पर युवक युवतियों एवं ड्राईवर की आवश्यकता है।

-:संपर्क करें:-
8433432291

ठुकराल ने तलवार भेंट कर बेहड़ को दी जन्म दिन की बधाई

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। कभी एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल और किच्छा विधायक व पूर्व मंत्री तिलकराज बेहड़ के बीच अब नजदीकियां तेजी से बढ़ रही है। रविवार को तिलकराज बेहड़ के जन्मदिन के अवसर पर राजकुमार ठुकराल तमाम समर्थकों के साथ सीधे उनके निवास पहुँचे और

उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस दौरान ठुकराल ने बेहड़ को सम्मान के रूप में तलवार भेंट की, जिसे देखकर राजनीतिक पंडितों ने भविष्य के (शेष पृष्ठ सात पर)

कोटद्वार को मिली विकास योजनाओं की सौगात

कोटद्वार में विकास और प्रकृति संरक्षण का संगम, मुख्यमंत्री ने किया 326 करोड़ से अधिक की 61 योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास

कोटद्वार/देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कोटद्वार में आयोजित बर्ड फेस्टिवल में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने जनपद के विभिन्न विकासखंडों के लिए करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा कुल 61 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। इनमें 21 योजनाओं का शिलान्यास शामिल रहा, जिनकी कुल अनुमानित लागत 8,172.78 लाख रुपये रही। वहीं 40 योजनाओं का लोकार्पण किया गया, जिनकी कुल लागत 24,439.55 लाख रुपये रही। इस प्रकार कुल 32,612.33 लाख रुपये की विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने फेस्टिवल परिसर में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया, जिनमें पक्षियों की फोटो प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने पक्षी पहचान एवं संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल अत्यंत सराहनीय हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 21वां दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा और इसमें महिलाओं का योगदान सर्वाधिक रहेगा। महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद गुणवत्ता में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पादों से भी बेहतर हैं। मुख्यमंत्री ने कोटद्वार क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि बस टर्मिनल, आयुष चिकित्सालय, खोह नदी को प्रदूषण मुक्त करने हेतु एसटीपी की स्थापना, मालन नदी पर 26 करोड़ रुपये से अधिक लागत से पुल निर्माण तथा कोटद्वार-नजीबाबाद फोर लेन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास के लिए घोषणाएँ करते हुए कहा कि हल्दूखाता में नगरीय पेयजल योजना की खनन प्रभावित जीर्ण शीर्ण पाइपलाइन का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में दो कक्षा-कक्ष, पुस्तकालय, विज्ञान कक्ष, कंप्यूटर कक्ष तथा चहारदीवारी का निर्माण कराया जाएगा। कोटद्वार में खोह नदी के दायें तट पर स्थित जीतपुर गांव में बाढ़ सुरक्षा कार्य किए जाएंगे। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र झंडीचौड़ में 108 एम्बुलेंस सेवा की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। साथ ही राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में चहारदीवारी का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनेक पक्षी प्रजातियाँ विलुप्त होने की कगार पर हैं, जिनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह बर्ड फेस्टिवल कोटद्वार क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जैव विविधता की दृष्टि से देश के समृद्ध राज्यों में शामिल है, जहाँ लगभग 71 प्रतिशत भूभाग वन क्षेत्र से आच्छादित है। राज्य पर्यावरण संरक्षण में देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यहां प्रतिवर्ष लाखों प्रवासी पक्षी आते हैं तथा देश में पाई जाने वाली लगभग 1300 पक्षी प्रजातियों में से 400 से अधिक दुर्लभ एवं सुंदर प्रजातियाँ उत्तराखण्ड में पाई जाती हैं। मुख्यमंत्री ने सुरखाबब पक्षी का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सुनहरे पंखों वाला दुर्लभ पक्षी सर्दियों के मौसम में उत्तराखण्ड आता है, जिस पर प्रचलित कहावत है कि "सुरखाबब के पंख लगे हैं क्या"। सरकार ड्रोन पायलट, इको-टूरिज्म एवं वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी को प्रोत्साहित कर रही है तथा विद्यार्थियों को शैक्षिक यात्राओं में सहयोग प्रदान कर रही है। घायल पशु-पक्षियों के उपचार हेतु कालागढ़ में विशेष व्यवस्था की गई है। विधानसभा अध्यक्षा एवं स्थानीय विधायक ऋतु खण्डूरी भूषण ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखण्ड में पायी जाने वाली लगभग 700 पक्षी प्रजातियों में से करीब 400 प्रजातियाँ कोटद्वार क्षेत्र में पायी जाती हैं, जो यहां की समृद्ध जैव विविधता को दर्शाता है। उन्होंने बर्ड वॉचिंग फेस्टिवल को इको-टूरिज्म एवं बर्ड-टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल बताया। उन्होंने सुझाव दिया कि इस आयोजन को प्रदेश सरकार के वार्षिक कैलेंडर में शामिल कर प्रत्येक वर्ष 31 जनवरी को 'बर्ड फेस्टिवल दिवस' के रूप में मनाया जाए, जिससे देश-विदेश के पक्षी एवं प्रकृति प्रेमी कोटद्वार की ओर आकर्षित हों। विधानसभा अध्यक्षा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से कोटद्वार को पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ेगी तथा स्थानीय स्तर पर आर्थिक सशक्तिकरण को भी बल मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में क्षेत्र को मिली करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे जनपद के समग्र विकास को नयी गति मिलेगी। जिलाधिकारी ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि जैव विविधता, प्रकृति और जीवन के प्रति संवेदनशीलता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि बर्ड फेस्टिवल अपने आप में एक अनूठी पहल है, जो न केवल पक्षियों के संरक्षण का संदेश देता है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी के क्षेत्र में नए अवसरों के द्वार भी खोलता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से कोटद्वार क्षेत्र को पर्यटन के नए आयाम मिलेंगे और यह क्षेत्र प्रकृति प्रेमियों की पहचान बनेगा। जिलाधिकारी ने भावपूर्ण शब्दों में कहा कि जब भी हम किसी पक्षी को खुले आकाश में उड़ते हुए देखते हैं, तब हमें स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ समझ में आता है। स्वतंत्रता केवल मनुष्य का अधिकार नहीं है, बल्कि पशु-पक्षियों और सम्पूर्ण प्रकृति का भी उतना ही मौलिक अधिकार है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह फेस्टिवल आने वाले समय में प्रकृति संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता का सशक्त माध्यम बनेगा और जिले की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नयी दिशा देगा। दो दिवसीय बर्ड वॉचिंग फेस्टिवल के पहले दिन लगभग 2500 से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया। इसमें 300 छात्र-छात्राएं, 800 युवा, 400 महिलाएं, 100 बर्ड वॉचर तथा 900 से अधिक अन्य लोग शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि फेस्टिवल के अंतर्गत आयोजित मैराथन दौड़, पेंटिंग, क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को फेस्टिवल के अंतिम दिन उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। मंच संचालन डॉ. पद्मेश बुड़ाकोटी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विधायक लैंसडाउन महंत दिलीप सिंह रावत, उत्तराखण्ड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पं. राजेंद्र अणथ्वाल, उपाध्यक्ष सिंचाई समिति ऋषि कंडवाल, जिला पंचायत अध्यक्षा रचना बुटोला, मेयर नगर निगम कोटद्वार शैलेंद्र सिंह रावत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, डीएफओ लैंसडाउन जीवन मोहन दगाड़े, मण्डी समिति के अध्यक्ष सुमन कोटनाला, नगर आयुक्त कोटद्वार पीएल शाह, उपजिलाधिकारी कोटद्वार चतर सिंह चौहान, जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी, जिला अध्यक्ष भाजपा राज गौरव नौटियाल, पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, बर्ड वॉचर तथा आम नागरिक उपस्थित रहे।

लूट कांड का शातिर अबरार अवैध हथियार और नकदी संग गिरफ्तार

रुद्रपुर/पुलभट्टा (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा द्वारा अपराधियों और वांछितों के विरुद्ध चलाए जा रहे कड़े अभियान के तहत पुलभट्टा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने बरा क्षेत्र में हुई सनसनीखेज लूट की वारदात में शामिल शातिर लुटेरे अबरार को अवैध तमंचे और लूटी गई नकदी व जेवरात के साथ गिरफ्तार कर लिया है। अबरार बरेली और पीलीभीत क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर रहा है और लंबे समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था। जनपद में अपराध नियंत्रण के लिए एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने सभी थानाध्यक्षों को वांछितों की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में एसपी अपराध, एसपी सिटी रुद्रपुर और क्षेत्राधिकारी सितारगंज के पर्यवेक्षण में पुलभट्टा थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। 1 फरवरी 2026 को मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि बरा लूट कांड का आरोपी अबरार बहेड़ी-किच्छा रोड पर देखा गया

है। पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी की और अभियुक्त अबरार पुत्र अहमद हुसैन, निवासी लोहारनगर, थाना फतेहगंज पश्चिमी (बरेली) को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 12 बोर का एक अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस और लूट का माल बरामद हुआ। पुलिस की कड़ी पूछताछ में अबरार ने कई बड़े खुलासे किए। उसने बताया कि 21 और 22 जनवरी 2026 की दरमियानी रात उसने अपने भाई इस्लाम और साथी शकील के साथ मिलकर ग्राम बरा में एक घर में घुसकर तमंचे के बल पर 87,000 रुपये नकद, भारी मात्रा में ज्वेलरी और दो मोबाइल फोन लूटे थे। वारदात को अंजाम देकर भागते समय इन बदमाशों ने ग्राम बरी से एक एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल यूके 06बीबी -0874) भी चोरी की थी। लूट के माल के बंटवारे में अबरार के हिस्से में 25,000 रुपये नकद, कान के कुंडल और एक ओम लिखा हुआ लॉकेट आया था। उसने बताया कि शेष नकदी, ज्वेलरी और चोरी की बाइक उसके फरार साथी शकील के पास है। पुलिस ने अबरार के पास से 20,000 रुपये की नकदी (5,000 उसने खर्च कर दिए थे), एक जोड़ी पीली धातु के कान के कुंडल, पीली धातु का 'ओम' लिखा लॉकेट और हथियार बरामद किए हैं। इस मामले में पुलिस अबरार के भाई इस्लाम को पहले ही जेल भेज चुकी है। इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में उपनिरीक्षक दिनेश चंद भट्ट, अपर उपनिरीक्षक प्रकाश चंद, प्रताप सुयाल, कांस्टेबल गजेंद्र सिंह और अनिल कुमार शामिल रहे। एसएसपी ने टीम की पीठ थपथपाते हुए फरार आरोपी शकील की गिरफ्तारी के लिए भी सख्त निर्देश दिए हैं।

पुलिस ने रैली निकाल कर लोगों को किया जागरूक

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग ने नगर में जागरूकता रैली निकाली। कोतवाली परिसर से शुरू हुई इस रैली को अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली इंदिरा चौक, रोडवेज स्टैंड, डीडी चौक, काशीपुर बाईपास रोड, गाबा चौक और काशीपुर रोड होते हुए गल्ला मंडी, मुख्य बाजार व भगत सिंह चौक से गुजरी। शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों का भ्रमण करते हुए रैली का समापन पुनः इंदिरा चौक पर हुआ। इस दौरान पुलिस टीम ने लाउडस्पीकर और पोस्टरों के माध्यम से नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। रैली के माध्यम से पुलिस ने जनता से अपील की कि वे वाहन चलाते समय यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करें। विशेष रूप से बाइक पर तीन सवारी न बैठने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, शराब पीकर वाहन न चलाने और हमेशा अपनी लेन में रहने की हिदायत दी गई। पुलिस अधिकारियों ने ओवरस्पीडिंग को सड़क हादसों का मुख्य कारण बताते हुए लोगों को निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट और कार चालकों को सीट बेल्ट की महत्ता समझाई गई। जागरूकता अभियान में कोतवाल मनोज रतूड़ी, यातायात निरीक्षक, सीपीयू प्रभारी गोधन सिंह, एसएसआई केसी आर्या और एसएसआई अनिल जोशी प्रमुख रूप से शामिल रहे। इनके साथ ही रम्पुरा चौकी प्रभारी कविंद्र शर्मा, बगवाड़ा चौकी प्रभारी सुरेंद्र सिंह रिंगवाल, एसआई धीरज टम्टा, एसआई मोहन चंद्र जोशी, सीपीयू दरोगा दिनेश चंद्र उप्रेती, एसआई चंदन सिंह, एएसआई नवीन जोशी, एएसआई ट्रैफिक बलवंत सिंह राठौर और नरेश जोशी, क्रेन चालक योगेश जोशी, ललित मोहन, नारायण सिंह, महेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, पूरन सिंह, गणेश सिंह धानिक, सीपीयू हेड कांस्टेबल राजेंद्र कुमार और पूरन चंद्र सहित अन्य पुलिसकर्मियों का विशेष योगदान रहा।

संत रविदास जी की शिक्षाएँ सामाजिक एकजुटता व समरसता की आधारशिला

देहरादून(उद संवाददाता)।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संत रविदास जयंती पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि संत रविदास जी की गणना भारत के महान संतों में की जाती है। उन्होंने जीवनपर्यंत मानव सेवा को अपना लक्ष्य बनाए रखा तथा समाज को समानता, एकता और भाईचारे का संदेश दिया।मुख्यमंत्री ने गुरु रविदास की जयंती की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में कहा कि संत रविदास जी ने अपनी शिक्षाओं के माध्यम से जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करने की प्रेरणा दी। उन्होंने छुआछूत, सामाजिक असमानता और कुरीतियों के विरुद्ध आवाज बुलंद की तथा प्रेम, करुणा और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी का सपना एक ऐसे समाज का था जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार, सम्मान और अवसर प्राप्त हों। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के लिए प्रासंगिक एवं प्रेरणादायक हैं।मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे संत रविदास जी की शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए सभी की भलाई के लिए कार्य करें तथा उनके बताए मार्ग पर चलते हुए समाज में व्याप्त बुराइयों एवं कुरीतियों को दूर करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहें।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कामना की कि संत रविदास जी की शिक्षाएँ सभी के जीवन में शांति, सद्भाव और सकारात्मकता का संचार करें तथा प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो।

जसपुर के तालाबपुर में लगा बहुउद्देशीय शिविर

1805 ग्रामीणों ने उठाया सरकारी योजनाओं का लाभ

जसपुर (उद संवाददाता)। जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत शनिवार को विकासखंड जसपुर की न्याय पंचायत अहमदनगर स्थित आदर्श जनता इंटर कॉलेज तालाबपुर में विशाल बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। उपजिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में दर्जा राज्य मंत्री अनिल कपूर डब्बू और विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक आदेश चौहान ने प्रतिभाग किया। शिविर में कुल 1805 लोगों ने पहुंचकर अपनी समस्याओं को रखा और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान प्रशासन को कुल 117 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 35 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष प्रार्थना पत्रों के त्वरित समाधान के लिए मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष सक्रियता देखी गई, जहाँ 562 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर जांच की गई और 45 मरीजों के एक्स-रे किए गए। होम्योपैथिक विभाग ने भी 112 लोगों को दवाइयां वितरित कीं। जनसेवाओं के तहत सहकारिता विभाग ने 12 व्यक्तियों को लाभान्वित किया, जबकि 28 लोगों के आधार कार्ड अपडेट और नए बनाए गए। इसके अतिरिक्त 12 परिवार रजिस्टर की नकल व जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए। कृषि विभाग ने 7 किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ दिया, वहीं बाल विकास विभाग द्वारा 10 मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट और 10 बाल पोषण योजनाओं का वितरण किया गया। समाज कल्याण विभाग ने दिव्यांग बस पास निर्गत करने के साथ ही पेंशन और जीविका अवसर प्रोत्साहन योजना के तहत जनजाति वर्ग के लोगों को लाभान्वित किया। विद्युत और पूर्ति विभाग ने भी राशन कार्ड ई-केवाईसी और बिजली संबंधी शिकायतों का निस्तारण किया। शिविर के दौरान उद्यान विभाग ने ड्रैगन उद्यान स्थापना, सब्जी-मसाला क्षेत्र विस्तार और मशरूम उत्पादन जैसी योजनाओं से ग्रामीणों को जोड़ा, वहीं डेयरी विभाग ने 65 लोगों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन और 45 को साइलेज योजना का लाभ दिया। श्रम विभाग ने निर्माण श्रमिकों के स्वास्थ्य की जांच की और ई-श्रम कार्ड जारी किए। सेवायोजन विभाग ने भी रोजगार पंजीकरण के लिए आवेदन प्राप्त किए। शिविर में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे मृदा स्वास्थ्य कार्ड, बैकयार्ड पोल्ट्री, मुख्यमंत्री स्वरोजगार और अल्पसंख्यक मेधावी बालिका प्रोत्साहन योजना सहित अन्य मदों में कुल 1513 व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ देना और प्रमाण पत्र शीघ्र जारी करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र और रुके हुए मानदेय पर आयुक्त दीपक रावत सख्त, कार्रवाई के निर्देश

38वें राष्ट्रीय खेल के वॉलिंटियरों का 36 लाख का भुगतान 14 फरवरी तक करने की चेतावनी, अन्यथा दर्ज होगी एफआईआर

हल्द्वानी। जनसुनवाई कार्यक्रम में आयुक्त/सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत ने जनता की समस्याओं में भूमि विवाद, धोखाधड़ी से धनराशि हड़पने, अवैध निर्माण, पारिवारिक विवाद,पेयजल, स्थायी निवास, लम्बित देयकों के भुगतान, आवासीय कालोनी में भूस्वामी से कब्जा दिलवाने आदि जैसे गम्भीर मामलों पर त्वरित कार्यवाही की गई। हल्द्वानी कैम्प कार्यालय में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम के दौरान आयुक्त ने जनता द्वारा रखे गए विभिन्न प्रकरणों पर सुनवाई की और कई मामलों में मौके पर ही समाधान किया। उधमसिंह नगर में ओबीसी जाति के लोगों के अनुसूचित जाति के फर्जी प्रमाण पत्र बनाने की शिकायत को गम्भीरतापूर्वक लेते हुये जांच के आदेश दिये। 38 वें राष्ट्रीय खेल के अंतर्गत हल्द्वानी तथा भीमताल में आयोजित प्रतियोगिताओं में कंपनी द्वारा लगाए गए विलिंटियर के मानदेय का भुगतान लम्बित होने पर आयुक्त ने लगभग 36 लाख के भुगतान को 14 फरवरी तक करने के निर्देश संबंधित कम्पनी को दिये उन्होंने कहा कि भुगतान न होने पर संबंधित के खिलाफ एफ आई आर दर्ज की जाए। विद्युत से संबंधित प्राप्त एक प्रकरण के दौरान आयुक्त ने अधिशासी अभियंता यूपीसीएल को निर्देश दिये कि जिन क्षेत्रों में विद्युत चोरी की शिकायत प्राप्त होती है, उन स्थानों पर संयुक्त रूप से नियमित चौकिंग अभियान चलाया जाए और विद्युत चोरी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। जनसुनवाई में शिकायतकर्ता द्वारा बताया गया कि जनपद उधमसिंह नगर के तहसील किच्छा में ओबीसी लोगों के फर्जी अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र बनाये गये तथा फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर कई लोगों ने सरकारी नौकरी भी प्राप्त कर ली है। शिकायताकर्ता द्वारा बताया गया कि उक्त शिकायत को उन्होंने सीएम पोर्टल एवं अधिकारियों को सूचित किया लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई। उक्त समस्या को गम्भीरता से लेते हुये आयुक्त ने अपर जिलाधिकारी उधमसिंह नगर पंकज उपाध्याय को तलब कर जांच के आदेश दिये उन्होने कहा कि इस प्रकार के कृत्य में जो भी लिप्त पाया जाता है सम्बन्धित के खिलाफ कडी कार्यवाही की जाय वर्ष 2025 में 38 वें राष्ट्रीय खेलों में जनपद के 85 स्वयंसेवकों (वालिटियरों) ने मानदेय रूप में कार्य किया था लेकिन

कम्पनी द्वारा 85 बच्चों का लगभग 36 लाख का भुगतान एक वर्ष से नहीं किया। उक्त शिकायत को आयुक्त ने गम्भीरता से लेते हुये उपनिदेशक खेल, जिला क्रीडा अधिकारी एवं कम्पनी के अधिकारी को तलब किया। उक्त के क्रम में कम्पनी के अधिकारी द्वारा बताया गया कि उनकों इवेंट कम्पनी द्वारा भुगतान नही किया गया। आयुक्त ने कहा कि बच्चों (वालिटियरों) की तैनाती आप के द्वारा की गई इसलिए भुगतान आपके द्वारा ही दिया जायेगा। जिस पर कम्पनी के प्रतिनिधि द्वारा लिखित में 1.5 की धनराशि 10 दिनों के भीतर तथा 1.5 लाख रुपये14 फरवरी तथा शेष धनराशि शीघ्र दिए जाने की बात कही। उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में आयुक्त ने कम्पनी के एमडी को एक सप्ताह के भीतर तलब करते हुए 14 फरवरी तक शतप्रतिशत भुगतान के निर्देश दिए। भुगतान न होने पर संबंधित कंपनी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करने के भी निर्देश दिए।विगत जनसुनवाई में मुकुल सिंह ऐरी निवासी कालागार, तहसील खनस्यू ने बताया कि सितम्बर 2025 तक उनके आवास पर पेयजल आ रहा था लेकिन अक्टूबर 2025 के पश्चात पेयजल की आपूर्ति नही हो रही है जलसंस्थान को दूरभाष पर अवगत कराने के बाद भी कोई कार्यवाही नही हुई। उक्त के क्रम में आयुक्त ने सम्बन्धित क्षेत्र के अधिशासी अभियंता, जेई को तलब कर आज ही पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिये जिस पर अधिशासी अभियंता जलसंस्थान द्वारा मौके पर कर्मचारी भेजकर पेयजल लाईन सुचारू करायी साथ ही वीडियोग्राफी के माध्यम से आयुक्त को बताया जिस पर मुकुल सिंह ऐरी ने आयुक्त का आभार व्यक्त किया।जनसुनवाई में शिकायतकर्ता द्वारा बताया गया कि रूद्रपुर में दानपुर क्षेत्र के अन्तर्गत 24 लोगों के द्वारा भूमि क्रय की गई भूमि की रजिस्ट्री एवं दाखिल खारिज हो गया है लेकिन उक्त भूमि पर उन लोगों को कालोनाइजर द्वारा कब्जा नहीं मिला है। उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में आयुक्त ने उपजिलाधिकारी रूद्रपुर एवं तहसीलदार को जांच कर कब्जा दिलाने के निर्देश दिये। जनुसनवाई में सुन्दर लाल हैडाखान ने खाता खतौनी में नाम दर्ज कराने,दिनेश चन्द्र निवासी रामनगर ने पैत्रिक सम्पत्ति में हिस्सा दिलाने,हरिशंकर बधानी ने पेयजल संयोजन दिलाने,गंगा बिष्ट ने विद्युत संयोजन कराने,निकिता शाह ने लम्बित वेतन देयकों का भुगतान कराने का अनुरोध किया। आयुक्त द्वारा जनसुनवाई में अधिकांश प्रकरणों का समाधान मौके पर किया गया। आयुक्त ने जनसुनवाई के दौरान कहा कि लोग अपनी समस्याओं को तहसील एवं उपजिलाधिकारी स्तर पर समाधान करा सकते हैं समाधान नही होने पर उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लायें। उन्होंने जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि वह जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ करना सुनिश्चित करें।

फलोत्पादन को बढ़ावा दें तो हो सकता है रिवर्स पलायनः डा. पंत

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। उत्तराखंड के गांवों से लगातार पलायन हो रहा है गाँव के गाँव खाली पड़े हैं। रोजगार की कमी इसका एक बहुत बड़ा कारण है जिसे बागवानी को बढ़ावा देकर दूर किया जा सकता है। ग्राम सुयालवाड़ी क्षेत्र में ग्रामीणों को अखरोट की पौध निःशुल्क वितरित करते हुए पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी/ पर्यावरणविद डा. आशुतोष पंत ने कहा कि इससे लोगों को पहाड़ में रोजगार मिलेगा, आमदनी होगी तो लोग यहीं ठहरकर काम करेंगे। खेती और बागवानी चौपट होने का एक बड़ा कारण जंगली पशुओं, सूअर और बंदरों का आतंक भी है। ये खेती और बागवानी करने वालों के लिये एक समस्या बन गए हैं। उन्होंने बताया अभी 30 जनवरी को शिमायल गाँव में ग्रामीणों को पौधे भेंट कर रहे थे तो हमारे सामने ही बंदरों के एक झुंड ने एक दुकान पर हमला करके गदर मचा दिया। समान

लूट ले गए। ऐसे ही झुंड के झुंड में आकर जंगली जानवर बगीचों को तहस नहस कर देते हैं। पहाड़ में जहां भी हम जाते हैं लोगों की शिकायत रहती है पेड़ हो भी जाएं तो जानवर फल नहीं छोड़ते हैं। सरकार को जंगली पशुओं से निजात दिलाने के लिये स्थाई उपाय करने होंगे। डा. पंत ने कहा कि वर्ष 1988 से वह अपने स्तर से जितना हो सकता है पर्यावरण संरक्षण के लिये प्रयास कर रहे हैं। उनका प्रतिवर्ष कम से कम बीस हजार पौधे लगाने का लक्ष्य है जिनमें से तीन हजार अखरोट/सेब के पौधे पहाड़ी क्षेत्रों में लगाए जाते हैं। यह बहुत बड़ा काम तो नहीं है और वह यह दावा भी नहीं कर रहे हैं कि इससे पूरे उत्तराखंड का कायाकल्प हो जाएगा। यह उनका लोगों को प्रेरित करने का प्रयास है। वह अपने मित्रों के साथ गांवों में जाकर लोगों को निःशुल्क पौधे भेंट करते हैं। उनका मानना है कि लोगों को पेड़ों से फल मिलेंगे तो आगे वह खुद भी लगाने लगेंगे। खाली खेत आबाद होंगे तो पर्यावरण सुधरेगा, लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने कहा पर्वतीय क्षेत्र में लोगों को अखरोट लगाने के लिये ज्यादा प्रेरित इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि अखरोट को बंदर कम नुकसान करता है। आप कश्मीर जाएंगे तो वहां आपको सड़को के किनारे दूर दूर तक अखरोट के पेड़ दिखाई देंगे। कश्मीर की आर्थिकी में अखरोट का महत्वपूर्ण स्थान है। उत्तराखंड में भी अखरोट एक गेम चेंजर बन सकता है। सरकार को फलोत्पादन पर विशेष ध्यान देना चाहिएघ। खाली पड़ी जमीनों का उपयोग होगा तो भूमिगत जल भी बढ़ेगा। पहाड़ों में जलसंचय होगा तो मैदानी क्षेत्रों में पानी मिलेगा नहीं तो जलस्रोत धीरे धीरे लुप्त होते रहेंगे। उन्होंने बताया इस वर्ष 2026 का शीतकालीन पौध भेंट कार्यक्रम 27 जनवरी को सुयालबाड़ी से शुरू हुआ। 30 जनवरी को नथवाखान के पास के गांवों में कार्यक्रम रहे। 06 फरवरी को मुक्तेश्वर के आसपास के गांवों में पौधे भेंट किए जायेंगे। अभी 20 फरवरी तक ये कार्यक्रम चलेंगे। जो भी लोग अपनी भूमि पर पौधे लगाना चाहते हैं निशुल्क प्राप्त कर सकते हैं।

लोक संस्कृति को विकास से जोड़ने की दिशा में सरकार निरंतर कार्यरत: धामी

प्रवासी उत्तराखण्डियों से संवाद का सशक्त मंच बना 'उत्तराखण्ड महोत्सव रोहिणी-02'

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली के रोहिणी में 'हम सबका उत्तराखण्ड' संस्था द्वारा आयोजित 'उत्तराखण्ड महोत्सव रोहिणी सीजन-02' में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रवासी उत्तराखण्डी, लोक कलाकार, युवा एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लोक कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और उत्तराखण्ड की संस्कृति, परंपराओं एवं लोक विरासत को समर्पित इस आयोजन की सराहना की।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा 'उत्तराखण्ड के सितारे' सम्मान से सुप्रसिद्ध सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सौरभ जोशी, हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मनोज गोरखेला तथा लोक गायिका कल्पना चौहान को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन लोक कलाकारों को मंच और सम्मान देने के साथ-साथ समाज को सेवा और संस्कारों की भावना से भी जोड़ते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति आज भी अपने गीतों, वेशभूषा और परंपराओं के माध्यम से जीवंत है तथा देश-विदेश में रहने वाले उत्तराखण्डी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह उल्लेख किया कि पारंपरिक गीत-संगीत और वेशभूषा के माध्यम से राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान स्पष्ट रूप से सामने आती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजन आने वाली पीढ़ियों के लिए विशेष महत्व रखते हैं, क्योंकि इससे बच्चों और युवाओं में अपनी बोली, संस्कृति और परंपराओं के प्रति गर्व की भावना विकसित होती है। लोकनृत्य और लोकगीत राज्य की सांस्कृतिक चेतना को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने देवभूमि उत्तराखण्ड को आस्था, तप, त्याग और साधना की भूमि बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगा-यमुना एवं आदि कैलाश जैसे पवित्र स्थलों के कारण विश्वभर में विशेष पहचान रखता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि स्वयं पहाड़ से जुड़े होने के कारण लोकसंस्कृति उनकी जीवनशैली और संस्कारों का अभिन्न हिस्सा रही है, इसी सोच के साथ राज्य सरकार संस्कृति को विकास से जोड़ते हुए आगे बढ़ रही है।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के "विकास भी और विरासत भी" के मंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन स्थलों का पुनर्विकास इसी दृष्टिकोण से किया जा रहा है। केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के पुनर्निर्माण कार्यों से न केवल आस्था को मजबूती मिली है, बल्कि पर्यटन और स्थानीय रोजगार को भी नया आयाम मिला है। मंदिर माला मिशनों के माध्यम से धार्मिक स्थलों का संरक्षण और विकास किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड आज वेडिंग डेस्टिनेशन, एडवेंचर टूरिज्म और फिल्म शूटिंग के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। विंटर टूरिज्म, 'वेड इन उत्तराखण्ड' और होम-स्टे जैसी पहलों से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। कृषि, दुग्ध उत्पादन, मधु उत्पादन और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर ग्रामीण आजीविका को सशक्त किया जा रहा है।महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लखपति दीदी योजना के माध्यम से बड़ी संख्या में महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं।'एक जनपद-दो उत्पाद' योजना और 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड से राज्य के उत्पादों को वैश्विक पहचान मिल रही है। स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता की उन्होंने विशेष सराहना की।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड ने सीमित संसाधनों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्य की अर्थव्यवस्था, प्रति व्यक्ति आय, बजट, बिजली उत्पादन और स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर सुधार हुआ है। पलायन रोकने, किसानों की आय बढ़ाने और युवाओं को रोजगार देने में राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।उन्होंने यह भी कहा कि सख्त कानूनों, पारदर्शी शासन और समान नागरिक संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन से राज्य में सुशासन स्थापित हुआ है। प्रधानमंत्री द्वारा बताए गए "उत्तराखण्ड का दशक" को साकार करने के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।कार्यक्रम में संस्था पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कलाकार एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लिए गए बड़े निर्णय

गदरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न

गदरपुर। गदरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा प्रबंधन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी, ऊधम सिंह नगर, दिवेश शाशनी ने की। बैठक में अस्पताल की कार्यप्रणाली, साफ-सफाई व्यवस्था, दवाइयों की उपलब्धता तथा मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के साथ गदरपुर के उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नगरपालिका अध्यक्ष, खंड विकास अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, जल संस्थान के प्रतिनिधि, चिकित्सक संघ से जुड़े डॉक्टरों तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अस्पताल की वर्तमान व्यवस्थाओं, संसाधनों और स्टाफ की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में यह भी सामने आया कि वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गदरपुर में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंजनी पर पूरे अस्पताल की जिम्मेदारी का भार है, जिससे कार्यभार अत्यधिक बढ़ गया है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि शीघ्र ही नए डॉक्टरों की तैनाती के लिए ठोस प्रयास किए जाएं, ताकि मरीजों को समय पर और बेहतर उपचार मिल सके। मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने सीमित संसाधनों और स्टाफ की कमी के बावजूद डॉ. अंजनी द्वारा पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ. अंजनी के नेतृत्व में अस्पताल की व्यवस्थाएं संतोषजनक रूप से संचालित हो रही हैं और भविष्य में संसाधन बढ़ने पर सेवाएं और बेहतर होंगी। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर देते हुए कहा कि आम जनता को इलाज के लिए किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से संचालित की जाएं। बैठक के उपरांत मुख्य विकास अधिकारी ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रसव कक्ष, गर्भवती महिलाओं की जांच कक्ष, प्रसव उपरांत देखभाल कक्ष, डेंगू वार्ड सहित सामान्य वार्डों का भ्रमण कर साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता और चिकित्सा उपकरणों की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अस्पताल में शीघ्र ही नई आधुनिक प्रसव मेज तथा मरीजों के लिए आरामदायक नए गद्दे उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं एवं मरीजों की सुविधा के लिए जांच कक्षों में सभी मौसम में उपयोगी वातानुकूलन व्यवस्था तथा गर्म पानी की सुविधा हेतु सौर ऊर्जा से संचालित गीजर लगाए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने वार्ड सहायकों और सफाई कर्मियों की कमी को भी गंभीरता से लेते हुए बताया कि जिला स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और जल्द ही अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को केवल मरीजों को आगे भेजने का केंद्र न बनाया जाए, बल्कि यहां आने वाले प्रत्येक मरीज को यथासंभव गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराया जाए। बिना ठोस कारण मरीजों को जिला अस्पताल भेजने पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए।मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अनावश्यक रेफरल या मरीजों से जुड़ी शिकायत मिलने पर निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के अंत में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंजनी ने सभी अधिकारियों एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया। प्रशासन का उद्देश्य गदरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को एक मॉडल स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित करना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की जनता को बेहतर और सुलभ चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

अंतर जिला युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का समापन

गदरपुर(उद संवाददाता)। युवा कार्यक्रम में खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में मेरा यह भारत देहरादून द्वारा राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (एससीईआरटी) में पांच दिवसीय अंतर जिला युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी देहरादून में ष्माय भारत माय वोट विषय पर पदयात्रा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री अवॉर्डी प्रो. डॉ. बी. के. एस. संजय को माय भारत उधम सिंह नगर की राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक तनीशा चावला व मुस्कान चावला ने अंग वस्त्र, बैज व पुष्प देकर सम्मानित किया । कार्यक्रम के तृतीय दिवस सामाजिक कार्यकर्ता अवधेश शर्मा, एडवोकेट रेनू डी. के. सिंह, ले. मोहित सिंह बिष्ट एवं पर्यावरण विद् अवधेश पांडुरी के द्वारा युवा प्रतिभागियों के साथ अनेक विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम झंडा रोहण करने के पश्चात राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत गया गया । कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस सांस्कृतिक यात्रा हेतु सभी युवा प्रतिभागियों को पहाड़ों की रानी मसूरी की यात्रा कराई गई। कार्यक्रम के पंचम अर्थात अंतिम दिवस पर माय भारत उधम सिंह नगर की राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक तनीशा चावला ने सभी प्रतिभागियों के समक्ष अपने विचार व्यक्त किए, तनीशा ने अपने संबोधन में कहा कि माय भारत भारत सरकार का एक संगठन है जो युवाओं के लिए कार्य करता है । तनीशा ने माय भारत में अपने व्यक्तिगत अनुभव भी साझा किए, साथ ही कहा की अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को विकसित भारत/ 2047 के मार्ग से जोड़ना है। अंतिम दिवस माय भारत देहरादून की उपनिदेशक मोनिका नांदल द्वारा सभी युवा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

उत्तराखंड में 'बारहमासी पर्यटन' के संकल्प ने पकड़ी रफ्तार

शीतकालीन यात्रा से गुलजार हुए पहाड़, अब तक 34 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में जनसेवा और विकास का जो मॉडल तैयार किया गया है, उसका असर अब राज्य की धार्मिक अर्थव्यवस्था पर साफ दिखने लगा है। कभी चारधाम यात्रा के कपाट बंद होने के बाद जिन पहाड़ी क्षेत्रों में वीरानी छा जाती थी, वहां अब श्रद्धालुओं की भारी चहल-पहल दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और राज्य सरकार के भगीरथ प्रयासों से संचालित 'शीतकालीन यात्रा' अब उत्तराखंड के पर्यटन इतिहास में एक नया अध्याय लिख रही है। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब शीतकालीन यात्रा को व्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है, जिससे न केवल पर्यटन क्षेत्र को मजबूती मिली है बल्कि स्थानीय निवासियों के लिए स्वरोजगार के नए द्वार भी खुले हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चारधाम यात्रा के कपाट बंद होने के बाद से अब तक रिकॉर्ड 34,140 यात्री उत्तराखंड के विभिन्न शीतकालीन प्रवास स्थलों पर पहुंच चुके हैं। इस यात्रा की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले वर्ष 2024-25 में जब पहली बार इस मुहिम की शुरुआत की गई थी, तब कुल 73,381 यात्रियों ने शीतकाल में दर्शन किए थे। इस बार अभी यात्रा के करीब ढाई महीने शेष हैं, जिससे यह आंकड़ा पिछले साल के रिकॉर्ड को पार करने की उम्मीद जगा रहा है। चारों धामों से संबंधित प्रमुख शीतकालीन गद्दीस्थलों जैसे पांडुकेश्वर, ऊखीमठ, मुखवा और खरसाली में देश-दुनिया के श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। यात्रा प्रबंधन के विवरण के अनुसार, इस शीतकालीन सत्र में अब तक बाबा केदारनाथ के गद्दीस्थल ऊखीमठ ने बाजी मारी है। चार धाम यात्रा प्रबंधन एवं नियंत्रण संगठन के विशेष कार्याधिकारी प्रजापति नौटियाल ने जानकारी दी कि अब तक सबसे अधिक 20,338 श्रद्धालुओं ने अकेले ऊखीमठ में दर्शन किए हैं। ऊखीमठ के बाद ज्योतिर्मठ (जोशीमठ) में यात्रियों की भारी आवक दर्ज की गई है। इसके साथ ही यमुना जी के शीतकालीन प्रवास खरसाली और गंगा जी के प्रवास स्थल मुखवा में भी यात्री लगातार पहुंच रहे हैं। प्रजापति नौटियाल के मुताबिक, वर्तमान में औसतन एक से डेढ़ हजार यात्री प्रतिदिन उत्तराखंड के इन पवित्र स्थलों पर मत्था टेक रहे हैं, जो शीतकालीन पर्यटन के लिहाज से बेहद उत्साहजनक संकेत है। राज्य सरकार इस यात्रा को केवल धार्मिक दर्शनों तक सीमित न रखकर इसे पूर्ण पर्यटन अनुभव में बदलने पर भी गंभीरता से कार्य कर रही है। शीतकालीन यात्रा के व्यापक प्रचार-प्रसार के बाद अब पर्यटक स्थलों पर भी भारी चहल-पहल देखी जा रही है। सरकार द्वारा साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्नो लैपर्ड टूर और पर्यटन को नई दिशा देने के लिए टूर एंड ट्रैवल्स कॉन्क्लेव जैसे आयोजनों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि साल के बारहों महीने उत्तराखंड में पर्यटकों और श्रद्धालुओं का आगमन बना रहे, जिससे राज्य की आर्थिकी को एक स्थायी आधार मिल सके। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि शीतकालीन यात्रा दूसरे वर्ष भी बेहद सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर्षिल और मुखवा का भ्रमण कर जिस तरह से उत्तराखंड की सुंदरता और यहां की आध्यात्मिक शक्ति का दुनिया के सामने प्रमोशन किया था, आज उसके सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखाई दे रहे हैं। अब देश-दुनिया के लोग कपाट बंद होने के बाद भी उत्तराखंड आकर यहां के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहे हैं और पवित्र गद्दीस्थलों के दर्शन कर रहे हैं। पुष्कर सिंह धामी ने संकल्प दोहराया कि राज्य सरकार उत्तराखंड को 'ऑल वेदर टूरिज्म डेस्टिनेशन' बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करती रहेगी।

सामान्य ज्ञान परीक्षा में अदिति रावत ने मारी बाजी

विजडम स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में 25 स्कूलों के 245 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। गंगापुर रोड स्थित विजडम पब्लिक स्कूल में विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय गिरीश कुमार श्रीवास्तव की स्मृति में 15वीं सामान्य ज्ञान परीक्षा 2025 का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय प्रबंधक गोपाल सिंह पटवाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस लिखित परीक्षा में शहर के 25 प्रतिष्ठित स्कूलों के पंजीकृत 255 छात्र-छात्राओं में से 245 प्रतिभागियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपपुलिस अधीक्षक उत्तम सिंह नेगी, प्रबंधक गोपाल सिंह पटवाल, विद्यालय सचिव सुधा पटवाल, पूर्व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ललित मोहन उप्रेती और प्रधानाचार्या डॉ. श्वेता मढवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। मां सरस्वती और गणेश वंदना के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम में देशभक्ति, पहाड़ी और पंजाबी नृत्यों सहित नाटकों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया।प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा करते हुए विजडम पब्लिक स्कूल की कक्षा 8 की छात्रा अदिति रावत को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर मेडल और 3100 रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दूसरे स्थान पर टेंडर सोल्स पब्लिक स्कूल के कक्षा 8 के छात्र कुमुद कुमार रहे जिन्हें मेडल व 2100 रुपये दिए गए, जबकि स्टोन रिज इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 8 के नैतिक पंत ने तृतीय स्थान पाकर मेडल व 1100 रुपये का नकद पुरस्कार जीता। अन्य स्थान प्राप्त करने वालों में चतुर्थ स्थान पर अंश कुमार (विजडम पब्लिक स्कूल), पंचम गीतांश वर्मा (विजडम पब्लिक स्कूल) और छठा स्थान सूर्या प्रताप पाण्डेय (स्टोन रिज इंटरनेशनल स्कूल) ने प्राप्त किया। इसके अलावा वंश सिंह (जीएसएम पब्लिक स्कूल), आदित्य बोहरा (टेंडर सोल्स पब्लिक स्कूल), रितिक कुमार (विजडम पब्लिक स्कूल), इशान पाटिल (दी ऑक्सफोर्ड एकेडमी), अनमोल सिंह (मोम्स प्राइड स्कूल), काव्या गुसाई (स्टोन रिज इंटरनेशनल स्कूल), जिगर पाण्डेय (नेशनल पब्लिक स्कूल), हार्दिक जोरा (स्टोन रिज इंटरनेशनल स्कूल) और कार्तिक रावत (टेंडर सोल्स पब्लिक स्कूल) ने भी सराहनीय प्रदर्शन कर पुरस्कार जीते।कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में राम प्रकाश गुप्ता, सत्य प्रकाश चौहान, दिनेश बम, राजेंद्र सिंह बोरा, संजय कुमार पाल, जगदीश सिंह बिष्ट, आर. सी. नेगी, रेनू देवी और सुधांशु पटवाल उपस्थित रहे। प्रधानाचार्या डॉ. श्वेता मढवाल ने सभी आगंतुक प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों और अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए छात्र जीवन में सामान्य ज्ञान की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रियंका पंत, अदिति पाण्डेय और उपप्रधानाचार्या साक्षी मिश्रा द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में मुख्य प्रधानाध्यापिका उषा मिश्रा, नरेंद्र सिंह रावत, अजय मिश्रा, देव मण्डल, विमल चौधरी, अंजली रावत, गीता अधिकारी, टीना दास, मंजू नेगी, नीरू अधिकारी, रेनू जोशी, मानसी चौहान और प्रेमलता सिंह सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा। अंत में प्रबंधक गोपाल सिंह पटवाल ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उपस्थित जनसमूह का धन्यवाद ज्ञापित किया।

पुलिस ने बालिकाओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। कोतवाली पुलिस ने जन-जागरूकता अभियान के तहत बगवाड़ा क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जागरूकता शिविर आयोजित किए। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामनगर बगवाड़ा और चंदौला नर्सिंग कॉलेज में आयोजित इन कार्यक्रमों के दौरान पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं, विशेषकर बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।अभियान के दौरान पुलिस टीम ने बालिकाओं और स्थानीय महिलाओं

को घरेलू हिंसा तथा महिला सुरक्षा से संबंधित कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक किया। इसके साथ ही वर्तमान में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों से बचाव के तरीके साझा किए गए। पुलिस ने छात्र-छात्राओं को गौरा शक्ति एप के महत्व और उसके उपयोग की विधि समझाई। यातायात नियमों के प्रति सजग रहने की अपील करते हुए पुलिस ने सुरक्षित भविष्य के लिए नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया।शिविर में आपात स्थिति के दौरान पुलिस सहायता प्राप्त करने के माध्यमों की जानकारी दी गई। पुलिस ने महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 और आपातकालीन सेवा 112 के साथ-साथ "पुलिस आपके द्वार" अभियान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर चौकी प्रभारी बगवाड़ा सुरेन्द्र रिंगवाल और महिला हेड कांस्टेबल पायल सहित कई पुलिस कर्मी और विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना में पंतनगर केंद्र को द्वितीय स्थान

पंतनगर (उद संवाददाता)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा संचालित कृषि एवं कृषि आधारित उद्योगों में ऊर्जा पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 29वीं वार्षिक कार्यशाला में पंतनगर केंद्र ने अपनी सफलता का परचम लहराया है। गुजरात के आनंद स्थित सरदार पटेल नवीनीकृत ऊर्जा अनुसंधान संस्थान में 29 से 31 जनवरी तक आयोजित इस कार्यशाला में पंतनगर केंद्र के प्रधान शोधकर्ता आर.एन. पटेरिया को उनके उत्कृष्ट शोध कार्यों के लिए देश में द्वितीय सर्वश्रेष्ठ केंद्र के पुरस्कार से नवाजा गया।इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में हर्ष का माहौल है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनमोहन सिंह चौहान, अधिष्ठाता प्रौद्योगिकी एस.एस. गुप्ता और निदेशक शोध एस.के. वर्मा सहित विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने आर.एन. पटेरिया को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस पुरस्कार से विश्वविद्यालय की शोध गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेगी और भविष्य में कृषि आधारित ऊर्जा समाधानों की दिशा में और बेहतर कार्य होंगे।

मीडिया क्लब के नवनियुक्त पदाधिकारियों का भव्य स्वागत

जागृति एक नई पहल संस्था ने किया सम्मानित

गदरपुर(उद संवाददाता)। जागृति एक नई पहल संस्था के कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मीडिया क्लब गदरपुर के नवनियुक्त पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष विजय अरोरा और संरक्षक राकेश भुडडी ने मीडिया क्लब के अध्यक्ष मुकेश पाल, महामंत्री किशन गुप्ता और कोषाध्यक्ष राकेश अरोरा को सम्मानित करते हुए उनका स्वागत किया। इस अवसर पर बोलते हुए विजय अरोरा ने कहा कि मीडिया क्लब गदरपुर के नवनियुक्त पदाधिकारी पत्रकारिता के क्षेत्र में एक नई दिशा देने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि मीडिया क्लब अपने नए पदाधिकारियों के नेतृत्व में पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करेगा और समाज के लिए एक सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करेगा। मीडिया क्लब गदरपुर के नवनियुक्त अध्यक्ष मुकेश पाल ने कहा कि वह मीडिया क्लब को मजबूत बनाने और पत्रकारों के हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि वह मीडिया क्लब के सदस्यों के साथ मिलकर काम करेंगे और पत्रकारिता के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। मीडिया क्लब गदरपुर के महामंत्री किशन गुप्ता ने कहा कि वह मीडिया क्लब के सदस्यों के साथ मिलकर काम करेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वह मीडिया क्लब को मजबूत बनाने के लिए अध्यक्ष मुकेश पाल के साथ मिलकर काम करेंगे। मीडिया क्लब गदरपुर के कोषाध्यक्ष राकेश अरोरा ने कहा कि वह मीडिया क्लब की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे और वित्तीय प्रबंधन में पारदर्शिता बनाए रखने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वह मीडिया क्लब के सदस्यों के साथ मिलकर काम करेंगे और उनकी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित जागृति संस्था के महामंत्री आकाश अरोरा, कोषाध्यक्ष विपिन गुप्ता, उपाध्यक्ष संजय शर्मा और सदस्य अंकुर अरोरा सहित मीडिया क्लब के सदस्य गौरव बत्रा, विपुल प्रजापति, रिजवान अख्तर, रिंकू शर्मा, शाहनूर अली, सचिन गुप्ता और रिहान सहित अरविन्द खेड़ा व नाजिम ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और उनके साथ मिलकर काम करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मीडिया क्लब के सदस्यों ने जागृति संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि संस्था का यह प्रयास सराहनीय है। हमें उम्मीद है कि मीडिया क्लब और जागृति संस्था के बीच यह संबंध आगे भी बना रहेगा और हम साथ मिलकर काम करेंगे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

यूसीजी नियमों की जांच

यूजीसी द्वारा जारी नए नियमों पर देश भर में सवाल और बवाल दोनों खड़े हुए और उसके बाद सीधे सुप्रीम कोर्ट में इसे रोकने के लिए याचिकाएं दायर हुईं, जिन पर गुरुवार 29 जनवरी को महत्वपूर्ण सुनवाई भी हो गई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर अस्थायी रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि पहले दृष्टिकोण से यह प्रतीत होता है कि इन नियमों की भाषा में स्पष्टता की कमी है, जिससे उनका गलत उपयोग हो सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने चेतावनी दी कि ऐसे नियम समाज को विभाजित कर सकते हैं और परिसरों में अमेरिका की तरह नस्लीय विभाजन जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन नियमों की जांच की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनका दुरुपयोग न हो। कोर्ट ने केंद्र सरकार से इन नियमों की समीक्षा करने को कहा और तब तक उनके लागू होने पर रोक जारी रखने का आदेश दिया। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल से कहा कि वे एक विशेषज्ञ कमेटी गठित करें। जिसमें कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों को शामिल करने पर विचार किया जाए, ताकि समाज में बिना भेदभाव के समग्र विकास हो सके। गौरतलब है कि यूजीसी नियमावली, 2026 को 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किया गया था। ये नियम अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) छात्रों के खिलाफ भेदभाव, उत्पीड़न और आत्महत्या जैसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से लाए गए हैं। यह 2012 के पुराने नियमों की जगह लाए गए हैं। इन नियमों के तहत सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में समता समितियां (इक्विटी कमेटी) गठित करना अनिवार्य किया गया है। इस कमेटी का काम जातिगत भेदभाव की शिकायतों की जांच करना है। लेकिन एससी, एसटी और ओबीसी के हक की बात उठते ही समाज में बवाल खड़ा हो गया। भारत में जाति व्यवस्था इतनी गहरी पैठी हुई है कि जाति के नाम पर उत्पीड़न सामान्य व्यवहार के तौर पर अपना लिया गया है। एक इंसान दूसरे इंसान को केवल जाति के आधार पर अपमानित, शोषित या प्रताड़ित करे, यह चलन सदियों से चला आ रहा है और इसे दूर करने की जितनी कोशिशें की गईं, उतने ज्यादा अड़ंगे सवर्ण समाज की तरफ से लगाए गए। चाहे मंडल कमीशन की सिफारिशें हों या अभी यूजीसी के नए नियम, उन पर समाज का एक तबका ऐसे विरोध में उतरा मानो अपने से निचली जातियों का उत्पीड़न उसका जन्मसिद्ध अधिकार है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट में सवर्ण वर्ग की ओर से दायर याचिकाओं में इन नियमों को असंवैधानिक बताया गया है। इसे जाति आधारित भेदभाव करार दिया। याचिकाकर्ताओं में से एक वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि यह भेदभाव संविधान के अनुच्छेद 14 और 19 के खिलाफ है और इससे शिक्षा क्षेत्र में, समाज में और अधिक खाई पैदा हो सकती है। बहरहाल, अब शीर्ष अदालत इस मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को करेगी।

धूमधाम से मना विधायक बेहड़ का 69 वां जन्मदिन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। किच्छा के विधायक तिलकराज बेहड़ का 69 वां जन्मदिन आज यहां उनके आवास विकास कालोनी स्थित आवास में धूमधाम से मनाया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं व समर्थकों के बीच श्री बेहड़ ने पत्नी बीना बेहड़ के साथ मिलकर केक काटा और फिर दोनों ने एक दूसरे को केक खिलाकर बधाई दी। जिसके बाद कार्यकर्ताओं व समर्थकों द्वारा श्री बेहड़ को पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन की बधाई दी गई तो श्री बेहड़ को चांदी का मुकुट, तलवार, गदा व गमले में लगे पौधे आदि उपहार भेट किये। पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा ने श्री बेहड़ को पगड़ी पहनाने के साथ ही बड़ी माला पहनाई और

रंगबिरंगे गुब्बारे उड़ाये। इस मौके पर राजकुमार सीकरी, सुमित्तर भुल्लर, बंसीधर गुम्बर, अनिल शर्मा, परिमल राय, सुभाष बेहड़, प्रेमानन्द महाजन, ममता हालदार, ममता रानी, इन्द्रजीत सिंह, साहब सिंह, काली चावला, मोहन खेड़ा, संजय जुनेजा, अजीत भुसरी, केवल बत्रा, गुलशन नारंग, परवेज कुरैशी, जगमोहन अरोरा, सुनील जडवानी, गौरव खुराना, उमर अली, विजय यादव, शिशुपाल सिंह, राजेन्द्र मिश्रा, ममता ढ़ाली, पुरूषोत्तम अरोरा, प्रकाश शर्मा, अरशद खान, सुशील मंडल, डा. सुमित राय, देवेन्द्र कुमार, हरीश अरोरा, मेहुल शर्मा, सुधीर अरोरा, कालीचरन, महावीर आजाद, पवन गाबा, सुभाष खंडेलवाल, जीत सिंह चाचू, नदीम खान, उमा सरकार, ज्योति टम्टा, राजकुमार सीकरी, जगदीश तनेजा, प्रीति साना, विकास मल्लिक, दलजीत सिंह, दिनेश पंत, संजीव रस्तोगी, बाबू खान आदि मौजूद रहे।

संत रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

रुद्रपुर। समाज में एकता, समरसता और भक्ति का संदेश देने वाले महान संत शिरोमणि रविदास की जयंती के अवसर पर रविवार को जगतपुरा क्षेत्र में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के नेतृत्व में तमाम संख्या में लोगों ने संत रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान पूरा क्षेत्र संत रविदास के जयकारों से गुंजायमान रहा और उपस्थित जनसमूह ने उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा कि संत रविदास जी एक महान समाज सुधारक और आध्यात्मिक संत थे, जिन्होंने मध्यकालीन भारत में सामाजिक कुरीतियों और भेदभाव के विरुद्ध आवाज बुलंद की। ठुकराल ने कहा कि

संत रविदास ने 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का कालजयी संदेश देकर यह सिद्ध किया कि ईश्वर की भक्ति के लिए हृदय की शुद्धि और निष्काम कर्म ही सर्वोपरि है। उन्होंने समाज के हर वर्ग को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। आज के दौर में उनके विचार और भी प्रासंगिक हो गए हैं, क्योंकि वे जातिवाद और आपसी वैमनस्य को समाप्त कर प्रेम का मार्ग दिखाते हैं। ठुकराल ने कहा कि संत रविदास जी के जीवन से हमें धैर्य, स्वाभिमान और निस्वार्थ सेवा की प्रेरणा मिलती है। समाज को उनके बताए हुए न्याय और समानता के रास्ते पर चलना चाहिए, तभी एक सशक्त और समरस राष्ट्र का निर्माण संभव है। इस अवसर पर राम स्वरूप भारती, डीपी सुमन, डीपी सिंह, राहुल, सुरेश भारती, छोटे लाल, लक्ष्मी नारायण, आनन्द शर्मा, अजय नारायण, राजेश ग्रोवर, बंटी मक्कड़, केरू मण्डल और ललित बिष्ट सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सभी ने बारी-बारी से संत के चरणों में मत्था टेका और प्रसाद वितरण कर उनकी जयंती की खुशियां मनाई।

शिविर में हुआ जनसमस्याओं का समाधान

रामनगर (उद संवाददाता)। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से शनिवार को विकासखंड रामनगर की न्याय पंचायत चिल्किया स्थित रामलीला मैदान में 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। विधायक दीवान सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। शिविर के दौरान 127 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर जनता को राहत प्रदान की गई। बहुउद्देशीय शिविर में ग्राम्य विकास, पंचायती राज, पेयजल (जल जीवन मिशन), लोक निर्माण विभाग, समाज कल्याण, कृषि, वन, राजस्व, लघु सिंचाई, उरेडा, खाद्य आपूर्ति और उद्यान विभाग समेत तमाम विभागों के अधिकारियों ने शिरकत की। शिविर के दौरान लगभग 314 नागरिकों ने योजनाओं का सीधा लाभ उठाया। इस मौके पर विभिन्न विभागों द्वारा 64 प्रमाण पत्र भी मौके पर ही तैयार कर वितरित किए गए। विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने कहा कि सरकार की मंशा प्रशासन को सीधे जनता से जोड़कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि पात्र व्यक्ति को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। कार्यक्रम के दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक राय, ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार और खंड विकास अधिकारी जी.सी. पाण्डे सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। विभिन्न ग्राम प्रधानों और क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। प्रशासन के इस प्रयास की ग्रामीणों द्वारा सराहना की गई और इसे जनसमस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी कदम बताया गया।

रुद्रपुर में प्रस्तावित महाकौतिक उत्तराखंड रुद्रपुर महोत्सव स्थगित

रुद्रपुर। आगामी 3 फरवरी से 9 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाला बहुप्रतीक्षित महाकौतिक - उत्तराखंड रुद्रपुर महोत्सव 2026 फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। आयोजक संस्था ड्रीमर्स केयर फाउंडेशन इंडिया (रजि.) ने प्रशासन से समय रहते आवश्यक अनुमति न मिल पाने को इस निर्णय का मुख्य कारण बताया है। विशेष रूप से मोदी ग्राउंड और गांधी पार्क के लिए स्वीकृति न मिल पाने के चलते सात दिवसीय इस भव्य आयोजन को अंतिम समय में रद्द करना पड़ा। संस्था के अनुसार पिछले तीन महीनों से शासन-प्रशासन के विभिन्न विभागों में औपचारिक आवेदन, ज्ञापन और पत्राचार किए जा रहे थे। प्रशासन सहित संबंधित विभागों से लगातार संपर्क किया गया और जनप्रतिनिधियों व उच्च अधिकारियों से भी भेंट कर महोत्सव की सामाजिक-सांस्कृतिक रूपरेखा प्रस्तुत की गई, लेकिन अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी। एनजीओ के संस्थापक दीपक पांडे ने बताया कि दिल्ली, नोएडा, मुंबई, चंडीगढ़, लखनऊ, बरेली सहित उत्तराखंड के नैनीताल और उधम सिंह नगर जिले से कलाकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जा चुका था। उन्होंने कहा कि रुद्रपुर विभिन्न संस्कृतियों का संगम है, जहां पर्वतीय, पंजाबी, बंगाली, पूर्वांचली और देशी समाज के लोग मिलजुल कर रहते हैं। ऐसे में इस प्रकार के सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजनों का नियमित रूप से होना आवश्यक है, लेकिन अनुमति न मिलना कई सवाल खड़े करता है। आयोजकों का कहना है कि महोत्सव के संबंध में प्रशासन की अपेक्षित सकारात्मक पहल नहीं दिखी। वहीं इस आयोजन से जुड़े कलाकारों, स्वयंसेवकों, सामाजिक संगठनों, प्रायोजकों और CSR सहयोगी संस्थानों को अब मीडिया के माध्यम से सूचित किया जा रहा है कि कार्यक्रम फिलहाल रद्द कर दिया गया है। ड्रीमर्स केयर फाउंडेशन ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय किसी व्यक्ति या संस्था के विरुद्ध नहीं, बल्कि व्यवस्थागत सहयोग के अभाव के कारण लिया गया है। संस्था ने भरोसा जताया कि जल्द ही आंतरिक बैठक कर नए स्थल, नए स्वरूप और नई रणनीति के साथ इस महोत्सव को दोबारा आयोजित करने की योजना बनाई जाएगी, ताकि भविष्य में यह आयोजन और अधिक गरिमा व मजबूती के साथ संपन्न हो सके। आयोजकों को उम्मीद है कि आने वाले समय में शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से अपेक्षित सहयोग मिलेगा और रुद्रपुर को उसकी सांस्कृतिक पहचान के अनुरूप एक भव्य महोत्सव देखने को मिलेगा।

दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। खेल निदेशालय उत्तराखंड देहरादून के समन्वय और जिला प्रशासन ऊधमसिंह नगर के मार्गदर्शन में आयोजित 10 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का शनिवार को समापन हो गया। जिला खेल कार्यालय द्वारा स्पेशल कंपोनेंट के अंतर्गत आयोजित इस शिविर में अनुसूचित जनजाति ओपन बालक वर्ग के कबड्डी एवं वॉलीबॉल खिलाड़ियों को खेल की बारीकियां सिखाई गईं। 22 से 31 जनवरी तक चले इस सघन प्रशिक्षण शिविर में कुल 48 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। प्रशिक्षण शिविर का संचालन कबड्डी कोच गौरव उपाध्याय और वॉलीबॉल खेलो इंडिया कोच गुरतेज सिंह कुनूर द्वारा किया गया। इस दौरान खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास और तकनीक को निखारने के लिए विशेषज्ञों ने विशेष सत्र आयोजित किए। कार्यक्रम में हॉकी कोच मोहित, एथलेटिक्स कोच हरीश राम, कॉन्ट्रैक्ट फेंसिंग कोच स्मिता नेगी और उमेश सिंह गाड़िया सहित अन्य विभागीय प्रशिक्षक उपस्थित रहे। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के प्रशिक्षण शिविर खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने की दिशा में अत्यंत प्रेरणादायक सिद्ध होंगे। 10 दिनों तक चले इस शिविर के सफल संचालन से अनुसूचित जनजाति वर्ग के उभरते खिलाड़ियों में भारी उत्साह देखा गया।

कांग्रेसियों ने श्रद्धा के साथ मनाई संत रविदास की जयंती

रुद्रपुर। महानगर कांग्रेस कमेटी की ओर से समाज में समरसता और भाईचारे का संदेश देने वाले संत शिरोमणि रविदास की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। महानगर अध्यक्ष ममता रानी और पूर्व पालिका अध्यक्ष मीना शर्मा के नेतृत्व में तमाम कांग्रेसी कार्यकर्ता जगतपुरा स्थित संत रविदास मंदिर पहुँचे। यहाँ उन्होंने संत रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष ममता रानी ने कहा कि संत रविदास ने समाज में ऊँच-नीच और भेदभाव को मिटाकर समरसता का संदेश दिया था। उन्होंने समाज को एक सूत्र में पिरोने का जो महान कार्य किया, उसके विचार आज के दौर में भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं। पूर्व पालिका अध्यक्ष मीना शर्मा ने कहा कि संत रविदास के जीवन और उनके विचारों से समाज के हर वर्ग को प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामस्वरूप भारती, अनिल शर्मा, संजीव रस्तोगी, प्रीति साना, उमा सरकार, बाबू विश्वकर्मा, सुमित राय, सतीश कुमार, बेबी सिकदर, दिनेश मौर्य, ज्योति टम्टा, देवेंद्र कुमार, बाबू सागर और अनुज दीक्षित समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने संत रविदास के आध्यात्मिक और सामाजिक योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने पर जोर दिया।

ग्रामीण क्षेत्रों को न बनायें बंदरों का डंपिंग ग्राउंड : शैलजा चम्याल

जिला पंचायत सदस्य ने डीएफओ को सौंपा ज्ञापन,बंदरों का आतंक से खेती चौपट

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली जानवरों, विशेषकर बंदरों के बढ़ते आतंक ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। इसी गंभीर समस्या को लेकर सल्लाभाटकोट वार्ड की जिला पंचायत सदस्य शैलजा चम्याल ने प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ), सिविल सोयम वन प्रभाग, अल्मोड़ा से मुलाकात की और उन्हें एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की।जिला पंचायत सदस्य शैलजा ने वन विभाग को अवगत कराया कि ग्राम पंचायत कुंजकिमोला,बूगा ,मल्ली नाली, तल्लीनाली और आसपास के क्षेत्रों में बंदरों का आतंक अपनी चरम सीमा पर है। क्षेत्र भ्रमण के दौरान कुंजकिमोला के ग्राम प्रधान देवी दत्त एवं स्थानीय ग्रामीणों ने लिखित पत्र के माध्यम से अपनी व्यथा साझा की।ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि शहरी क्षेत्रों से पकड़े गए बंदरों को चोरी-छिपे ग्रामीण इलाकों में छोड़ा जा रहा है। इस आत्मघाती कदम से गांवों में कृषि कार्य

करना अब लगभग असंभव हो गया है।ज्ञापन में कहा गया है कि बंदर न केवल फलों, सब्जियों और फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि अब वे हिंसक भी हो चले हैं। बंदरों द्वारा बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों पर हमले कर उन्हें घायल करने की घटनाएं निरंतर बढ़ रही हैं।शैलजा चम्याल ने कहा कि पलायन की मार झेल रहे इन गांवों में जो थोड़े-बहुत किसान अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर हैं, उनकी फसलें बंदरों द्वारा नष्ट की जा रही हैं। इससे उनके सामने रोजी-रोटी का गहरा संकट खड़ा हो गया है। बंदरों के साथ-साथ वर्तमान में जंगली सुअरों का भी भारी जमावड़ा है, जिससे ग्रामीण जंगलों के रास्तों से गुजरने में भयभीत हैं। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को बंदरों का डंपिंग ग्राउंड बनाना बंद किया जाए। उन्होंने कहा कि चिह्नित ग्रामीण क्षेत्रों से तत्काल बंदरों को पकड़कर दूर घने जंगलों में छोड़ा जाए। भविष्य में शहरों से पकड़े जाने वाले बंदरों को आबादी वाले गांवों के बजाय निर्जन वन क्षेत्रों में विस्थापित किया जाए। जंगली जानवरों से फसलों को होने वाले नुकसान का उचित मुआवजा सुनिश्चित किया जाए। जिला पंचायत सदस्य ने स्पष्ट किया कि यदि विभाग ने इस समस्या का शीघ्र समाधान नहीं निकाला, तो क्षेत्र की जनता आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

सड़क हादसे में दिल्ली के दंपत्ति की मौत, पुत्र घायल

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)। धौलछीना-शेराघाट मोटर मार्ग पर शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। कसाणबैंड के समीप एक स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में वाहन सवार वृद्ध दंपत्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र गंभीर रूप से घायल है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मंगलपुरी, महरौली नई दिल्ली निवासी 52 वर्षीय सिद्धार्थ रॉय माता-पिता के साथ अपनी निजी कार संख्या डीएल-3 सीसी जेड

8690 से उत्तराखंड भ्रमण पर आए थे। कैंची धाम में दर्शन करने के बाद यह परिवार अल्मोड़ा होते हुए मुनस्यारी की ओर जा रहा था। दोपहर करीब तीन बजे कसाण बैंड के पास अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे लगे क्रश बैरियर को तोड़ते हुए सीधे 60 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर जा गिरा। जिससे गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और कार सड़क में पलट गई। कार के नीचे दबने से 75 वर्षीय प्रणव रॉय और उनकी पत्नी 72 वर्षीय शुभ्रा रॉय की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बेटा सिद्धार्थ रॉय गंभीर रूप से घायल है। इधर, एसओ धौलछीना सुनील सिंह बिष्ट ने बताया कि जेसीबी की मदद से लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद वाहन को काटकर वृद्ध दंपति के शवों को बाहर निकाला गया। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

प्रशासन पर खड़ी फसल बर्बाद करने का आरोप

खटीमा(उद संवाददाता)। उधम सिंह नगर के सीमांत खटीमा तहसील अंतर्गत ग्राम बाकुलिया, दमगढ़ा में प्रशासन के द्वारा हाई कोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए लगभग 120 एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि पर खड़ी फसल को ट्रैक्टरों से रौंदकर जमीन को कब्जेदारो से मुक्त कराए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस पूरी घटना से पीड़ित जमींदार युवराज तलवार का आरोप है कि बिना किसी पूर्व सूचना या विधि सम्मत नोटिस के कोर्ट के

आदेश का हवाला देकर उनकी जमीन पर जबरन कब्जा कराया जा रहा है। पीड़ित का कहना है कि यह कार्यवाही पूरी तरह मनमानी और साजिशन तरीके से की गई। पीड़ित पक्ष का कहना है कि जब उनके द्वारा अधिकारियों से कहा गया कि न्यायालय का आदेश दिखाया जाए तो उनको ना आदेश दिखाया गया और ना ही कोई नोटिस दिया गया। वही मामले की जानकारी देते हुए गणेश ठाकुराठी जो कि एक स्थानीय राज्य आंदोलनकारी नेता एवं भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं ने बताया कि उनके पास सुबह फोन आया की कुछ लोग खेत में खड़ी फसल होने के बावजूद जमीन जोत रहे हैं और जब मैंने मौके पर पहुंचने के बाद उप जिलाधिकारी से मुलाकात कर जानकारी मांगी की फसल जोतने का आदेश किस न्यायालय का है और क्या आदेश है। जो भी माननीय न्यायालय का आदेश है उसे हमें भी दिखाया जाए परंतु उप जिलाधिकारी के द्वारा उन्हें किसी भी प्रकार का कोई आदेश अथवा कोई कागज नहीं दिखाया गया। वहीं इस मामले के दूसरे पीड़ित अभिमन्यु तलवार जो की अपने परिवार के साथ बाहर हैं ने भी एक वीडियो जारी कर प्रशासन से इस मामले में उचित कार्यवाही करने की मांग करी है। दूसरी तरफ प्रशासन के द्वारा किसी भी प्रकार का स्पष्टीकरण देने की तकलीफ ना उठाते हुए जमीन पर खड़ी फसल को ट्रैक्टरों से जुटवाने की प्रक्रिया लगातार जारी है। वहीं इस मामले में प्रशासन मीडिया से दूरी बनाए हुए है और अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। फिलहाल गांव और आसपास के क्षेत्र के किसानों में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। स्थानीय लोग निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही किए जाने की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता संदीप सहगल के पिता का निधन

काशीपुर(उद संवाददाता)। शहर के जाने-माने समाजसेवी एवं कांग्रेस नेता संदीप सहगल के पिता रमेश सहगल का आज यहाँ एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनका निधन हृदय गति रूकने से हुआ। उनके आकस्मिक निधन से शहर में शोक की लहर दौड़ गई है।रमेश सहगल के निधन की सूचना मिलते ही कांग्रेस पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों ने गहरा दु:ख व्यक्त किया। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि रमेश सहगल एक सरल, मिलनसार और सामाजिक सरोकारों से जुड़े व्यक्तित्व थे, जिनका समाज में विशेष सम्मान था। उनके निधन को शहर के लिए अपूरणीय क्षति बताया गया है।

पेज एक का शेष...

बजट 2026...15एच स्वीकार करने का अधिकार दिया गया है, जिसे वे सीध संबंधित कंपनियों को उपलब्ध कराएंगे। विवादित मामलों में राहत देते हुए बजट में प्रावधान किया गया है कि प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील लंबित रहने के दौरान जुर्माने की राशि पर कोई ब्याज नहीं देना होगा, चाहे अंतिम फैसला करदाता के पक्ष में आए या विरोध में। बजट में विदेश यात्रा और चिकित्सा के लिए धन भेजने वालों को भी बड़ी सौगात दी गई है। ओवरसीज टूर प्रोग्राम पैकेज पर लगने वाले टीसीएस को 5 और 20 प्रतिशत के मौजूदा स्लैब से घटाकर सीधे 2 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) के तहत शिक्षा और मेडिकल उद्देश्यों के लिए भेजी जाने वाली राशि पर भी टीसीएस की दर 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत कर दी गई है। एनआरआई और छात्रों के लिए छह महीने की विशेष विदेशी संपत्ति प्रकटीकरण योजना का प्रस्ताव रखा गया है। साथ ही मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण से मिलने वाले मुआवजे को पूरी तरह आयकर मुक्त कर दिया गया है, जो सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए एक मानवीय राहत है। डेटा सेंटर और तकनीकी क्षेत्र में भारत को वैश्विक केंद्र बनाने के उद्देश्य से सरकार ने विदेशी कंपनियों को 2047 तक टैक्स छूट देने का ऐतिहासिक प्रस्ताव रखा है, जो भारत के माध्यम से क्लाउड सेवाएं दे रही हैं। इसके अतिरिक्त, सहकारी समितियों को प्रोत्साहन देते हुए उनके निवेश से प्राप्त लाभांश पर तीन साल की टैक्स छूट दी गई है और पशु आहार व कपास बीज की आपूर्ति करने वाले सहकारी सदस्यों के लिए भी रियायतें बढ़ाई गई हैं। अनुमानित आधार पर कर चुकाने वाले अनिवासियों को न्यूनतम वैकल्पिक कर (मैट) के दायरे से बाहर रखने का निर्णय लिया गया है। ये सभी कदम प्रत्यक्ष कर ढांचे को पारदर्शी, सरल और भविष्य की जरूरतों के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से उठाए गए हैं।

जेब पर क्या होगा...(लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम) के तहत टैक्स-फ्री फंड भेजने की सीमा को 7 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये प्रति वर्ष कर दिया गया है। इससे अब परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई, इलाज या अन्य जरूरी खर्चों के लिए बिना अतिरिक्त टैक्स के ज्यादा पैसा भेज सकेंगे। स्वास्थ्य के क्षेत्र में 'बायोफार्मा शक्ति' योजना के तहत 10,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसका सीधा असर दवाइयों की कीमतों पर पड़ेगा। विशेष रूप से डायबिटीज और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों की दवाएं सस्ती होने की उम्मीद है। साथ ही, दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए व्यक्तिगत उपयोग हेतु आयात की जाने वाली 7 प्रकार की दवाइयों को भी सस्ता किया गया है। तकनीक के क्षेत्र में लिथियम-आयन सेल निर्माण से जुड़ी मशीनरी पर कस्टम ड्यूटी छूट जारी रहने से मोबाइल फोन, टैबलेट और इलेक्ट्रिक गाड़ियां आने वाले समय में काफी किफायती हो जाएंगी। चमड़ा उद्योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए कच्चे माल के आयात पर ड्यूटी फ्री करने का प्रस्ताव दिया गया है, जिससे लेदर बैग, जूते और बेल्ट जैसे उत्पाद सस्ते होंगे। खेलो इंडिया मिशन को मजबूती देने के लिए एसएमई (ैडम) को 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे बैट, बॉल और फिटनेस गियर जैसे खेल के सामान की कीमतों में कमी आएगी। इसके अतिरिक्त, सोलर पैनल, माइक्रोवेव और आयातित लकड़ी के सामान भी अब सस्ते मिलेंगे। समुद्री क्षेत्र में मछुआरों को राहत देते हुए अंतरराष्ट्रीय सीमा से पकड़ी गई मछलियों पर कस्टम ड्यूटी हटा दी गई है, जिससे सी-फूड के दाम गिर सकते हैं। सिगरेट और शराब पर बढ़ी मार एक तरफ जहाँ सरकार ने विकास और स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया है, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वस्तुओं पर टैक्स का बोझ बढ़ा दिया है। बजट में शराब पर टैक्स में बढ़ोतरी की गई है, जिससे इसकी कीमतों में उछाल आएगा। इसके अलावा सिगरेट और पान मसाला पर 'सिन टैक्स' बढ़ा दिया गया है, जिसके बाद धूम्रपान और तंबाकू उत्पादों का सेवन करना अब पहले से ज्यादा महंगा साबित होगा। कुल मिलाकर, बजट 2026-27 ने तकनीकी और चिकित्सा क्षेत्र को राहत दी है, जबकि लग्जरी और व्यसन की वस्तुओं को महंगा कर राजकोषीय संतुलन बनाने का प्रयास किया है।

एम्स महिला कर्मचारी...अवस्था में फर्श पर पड़ी मिली। सूचना मिलते ही कोतवाल कैलाश चंद्र भट्ट पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुँचे और उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी देहात जया बलूनी और सीओ ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुँचकर वैज्ञानिक जांच के लिए नमूने एकत्रित किए हैं। मृतक महिला मूल रूप से यमकेश्वर की रहने वाली थी और ऋषिकेश एम्स में आउटसोर्सिंग कर्मचारी के रूप में कार्यरत थी। वह यहाँ घर में अकेली रहती थी, जबकि उसका 8 वर्षीय बेटा नाना-नानी के घर रहता है। हत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। एसपी देहात जया बलूनी ने बताया कि आरोपियों की धरपकड़ के लिए एसओजी की मदद ली जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। रविवार को एसएसपी अजय सिंह ने परिवार से मुलाकात की। एसएसपी देहरादून अजय सिंह एम्स मोर्चरी में पीड़ित स्वजनों से मिलने पहुंचे । इस दौरान मृतका के पिता ने बताया कि एक व्यक्ति उनकी बेटी को लंबे समय से टॉर्चर कर रहा था। वह जान से मारने की धमकी भी दे रहा था। एसएसपी देहरादून ने आरोपित से जुड़ी आवश्यक जानकारी नोट की। साथ ही उन्होंने कहा कि इस घटना में पुलिस कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी, जो अन्य अपराधियों के लिए नजीर बनेगी।फिलहाल पुलिस को संदेह है कि मामला एक तरफा प्रेम प्रसंग से जुड़ा हो सकता है।

सूबे की स्वास्थ्य ..होश में थी और बातचीत कर रही थीं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागी के डॉक्टरों ने शिखा की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर करने की बात कही।बड़ी विडंबना यह कि अस्पताल परिसर में एम्बुलेंस खड़ी होने के बावजूद अस्पताल प्रशासन ने यह कहकर हाथ खड़े कर दिए कि चालक छुट्टी पर है और गाड़ी का स्टेयरिंग खराब है। मदद के लिए आगे आए शीशपाल ने जब खुद गाड़ी चलाकर ले जाने की पेशकश की, तो उसे भी अनसुना कर दिया गया। मरीज के करीब दो घंटे तक तड़पने के बाद रात 9 बजे 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और श्रीनगर ले जाते समय रास्ते में ही जच्चा और बच्चा दोनों ने दम तोड़ दिया।इस घटना ने पहाड़ में आपातकालीन सेवाओं के खोखले दावों की पोल खोल कर रख दी है।जहां, एक एम्बुलेंस के चालक की अनुपस्थिति और मशीनरी की खराबी दो जिंदगियों पर भारी पड़ गई।

युवक पर धारदार...वासियों और व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और फास्ट फूड मार्केट में बढ़ रही अराजकता पर सवाल उठाए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हमलावरों ने न केवल प्रदीप पर जानलेवा हमला किया, बल्कि लूटपाट की कोशिश भी की गई। व्यापारियों का कहना है कि इस मार्केट में आए दिन असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है और झगड़े आम बात हो गए हैं। हालांकि, पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए एक संदिग्ध आरोपी को हिरासत में ले लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। धरने में नगर व्यापार मंडल के पदाधिकारी और स्थानीय व्यापारी बड़ी संख्या में जुटे। नगर अध्यक्ष विजय अरोड़ा, महामंत्री नितिन पाटिल, अमन मदान, सनी गंगवार, चेतन गंगवार, सनी अरोरा, रोहित अरोड़ा और सतीश गुप्ता सहित सैकड़ों लोगों ने मौके पर बैठकर प्रशासन से फास्ट फूड मार्केट से तत्काल अतिक्रमण हटाने और अव्यवस्थाओं को सुधारने की मांग की। लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि मार्केट में सुरक्षा के नाम पर लगे सीसीटीवी कैमरे केवल शोपीस बने हुए हैं, क्योंकि घटना के समय किसी भी कैमरे से स्पष्ट फुटेज नहीं मिल पाई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाई जाए और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को शांत करने का प्रयास किया और आश्वासन दिया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि घायल के बयान और जांच के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे।

ठुकराल ने तलवार...नए समीकरणों को भांपना शुरू कर दिया है।पिछले कुछ दिनों में बेहड़ और ठुकराल की नजदीकियां संकेत दे रही है कि दोनों नेताओं के बीच की पुरानी कड़वाहट अब खत्म हो चुकी है और वे एक नई राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा जोरों पर है कि राजकुमार ठुकराल जल्द ही कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं। पिछले कुछ समय से ठुकराल की सक्रियता और बेहड़ के साथ उनके बढ़ते संवाद इसी ओर इशारा कर रहे हैं। फिलहाल, जन्मदिन की इस शिष्टाचार भेंट के पीछे छिपे राजनीतिक निहितार्थों ने विरोधियों की धड़कनें बढ़ा दी हैं।

साइबर ठगों ने ...पुलिस अधिकारियों का कहना है कि साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों को देखते हुए आम जनता को जागरूक रहने की जरूरत है और किसी भी संदिग्ध फोन कॉल या लिंक पर अपनी बैंकिंग जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

कूटरचित हस्ताक्षर और मुहर का दुरुपयोग कर तैयार किया फर्जी शिकायत पत्र

सभासद सविता बैरागी ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, कानूनी कार्रवाई की मांग

दिनेशपुर (उद संवाददाता)। नगर पंचायत दिनेशपुर में फर्जी शिकायत पत्र तैयार कर कूटरचित हस्ताक्षर और मुहर के दुरुपयोग का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। वार्ड नंबर चार की सभासद सविता बैरागी पत्नी विश्वंभर बैरागी ने इस संबंध में एसडीएम गदरपुर ऋचा सिंह को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सभासद ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत के ही कुछ वर्तमान और पूर्व सभासदों ने उनकी फर्जी मुहर और हस्ताक्षर का दुरुपयोग करते हुए एक मनगढ़ंत शिकायती पत्र तैयार किया है। यह पत्र जिलाधिकारी ऊधमसिंह नगर के नाम संबोधित किया गया है, जबकि

इस शिकायत से उनका कोई लेना-देना नहीं है। सविता बैरागी ने बताया कि उक्त शिकायत पत्र पूरी तरह से झूठा और तथ्यहीन है, जिसका मुख्य उद्देश्य उनकी और नगर पंचायत अध्यक्ष की छवि को धूमिल करना व उन्हें राजनीतिक रूप से बदनाम करना है। उन्होंने कहा कि बिना जानकारी और सहमति के उनके नाम का उपयोग करना न केवल अपराध है, बल्कि यह जनप्रतिनिधियों की गरिमा और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। सभासद ने मांग की है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों को चिन्हित किया जाए। एसडीएम ऋचा सिंह ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले को गंभीरता से लिया है और आश्वासन दिया कि प्रकरण की जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद से नगर के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है और सोशल मीडिया पर भी पक्ष-विपक्ष के बीच तीखी बहस छिड़ी हुई है।

विकास कार्यों में बाधा डाल रहे विरोधी सभासद: मनजीत कौर

रूद्रपुर। नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर ने इस पूरे प्रकरण पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए विरोधियों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कुछ सभासद निजी स्वार्थ के चलते नगर पंचायत के विकास कार्यों का विरोध कर रहे हैं। हाल ही में अखबार में प्रकाशित निविदा सूचना (टेंडर) को भी कुछ सभासदों द्वारा विरोध प्रकट कर निरस्त करवा दिया गया है, जो नगर के विकास के हित में नहीं है। अध्यक्ष ने नगर की आम जनता से विकास कार्यों में सहायक बनने की अपील की है। साथ ही उन्होंने विरोध कर रहे सभासदों से भी आग्रह किया कि वे जनहित के कार्यों में बाधा उत्पन्न करने के बजाय नगर के विकास में सहयोग करें।

वर्ल्ड होम्योपैथिक समिट में शोध पत्र पढ़ेंगे डॉ. अंकित

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। ऊधमसिंह नगर के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. अंकित कुमार गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जनपद और प्रदेश का मान बढ़ाया है। आगामी फरवरी माह में कजाकिस्तान स्थित कैस्पियन यूनिवर्सिटी एंड मेडिकल कॉलेज, अल्माटी में आयोजित होने वाले पांच दिवसीय साइंटिफिक सेमिनार एवं वर्ल्ड होम्योपैथिक समिट 2026 के लिए उनका चयन किया गया है। केंट होम्योपैथिक लेबोरेटरी एवं केंट होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में डॉ. अंकित मुख्य वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान देंगे और शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे।डॉ. अंकित कुमार गुप्ता इस वैश्विक मंच पर होम्योपैथी के माध्यम से जटिल और असाध्य बीमारियों के सफल उपचार पर अपना अनुभव साझा करेंगे। उनके द्वारा किए गए शोध और उपचार की सफलता को देखते हुए कैस्पियन यूनिवर्सिटी एंड मेडिकल कॉलेज उन्हें विशेष रूप से सम्मानित भी करेगा। यह दूसरा अवसर है जब डॉ. अंकित को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके चिकित्सा कार्यों के लिए सम्मान मिलने जा रहा है। मूल रूप से रुद्रपुर के गंगापुर गाँव निवासी डॉ. अंकित की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उनके सम्मानित होने की खबर मिलते ही डॉ. कपिल, डॉ. अंशु, डॉ. सुधीर गुप्ता, डॉ. विवेक मिश्रा, डॉ. गुप्तेश्वर सिंह, विशाल सिंह, डॉ. यादव, डॉ. सुमिता कुमारी, डॉ. प्रियरंजन किशोर सिंह, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. प्रशांत कुमार, कुमुद रंजन, सौरभ, सतीश श्रीवास्तव, अमन, लोहा, आदित्य, अतुल मौर्या, धर्मन कुशवाहा और रवि मौर्या सहित अनेक शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बिजली चोरी के मामले में भाजपा मंडल अध्यक्ष समेत नौ लोगों पर केस

ऊर्जा निगम और विजिलेंस की छापेमारी से ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में हड़कंप

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। ऊर्जा निगम और विजिलेंस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पुलिस ने भाजपा के पटेलनगर मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता समेत नौ लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। छापेमारी के दौरान कई घरों में कटिया डालकर बिजली चोरी की जा रही थी, तो कहीं मीटर गायब मिले और कइयों ने मीटर से पहले ही केबल में कट लगाकर अवैध कनेक्शन ले रखे थे। पुलिस अब अन्य संदिग्धों की भी जांच कर रही है और आने वाले दिनों में कुछ और बड़ी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।शुक्रवार को ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता राजीव चक्रवर्ती के नेतृत्व में निगम और विजिलेंस की टीमों ने खेड़ा, दरियागंज और ट्रांजिट कैंप के विभिन्न इलाकों में औचक छापेमारी की। इस कार्रवाई से पूरे क्षेत्र के बिजली चोरों में हड़कंप मच गया। ऊर्जा निगम की उपखंड अधिकारी अन्नू अरोरा ने बताया कि अभियान के दौरान कुल 201 स्थानों पर बिजली कनेक्शनों की सघन चेकिंग की गई। इस दौरान भारी अनियमितताएं पाई गईं, जहाँ लोग सीधे मुख्य लाइन पर कटिया डालकर बिजली का अवैध उपयोग कर रहे थे। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 41 घरों से अवैध केबल कनेक्शनों को काटकर जब्त कर लिया। कोतवाल मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि धीरेश गुप्ता के अलावा पुलिस ने राजा कॉलोनी निवासी छोटी देवी, राम दास, सतीश कुमार, अनिल कुमार तथा ट्रांजिट कैंप निवासी राधे श्याम, कनल मंडल, रमनीत कौर और कुलदीप सिंह के खिलाफ बिजली चोरी की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। ऊर्जा निगम के अधिकारियों का कहना है कि बिजली चोरी के कारण न केवल राजस्व की हानि हो रही है, बल्कि इससे स्थानीय ग्रिड पर दबाव बढ़ने से फाल्ट और लो-वोल्टेज की समस्या भी उत्पन्न हो रही है।

कामगार और शिक्षा ग्रहण करने वाली महिलाओं के लिए जिले में बनेगा महिला हॉस्टल: कमल जिंदल

सितारगंज।केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने संसद में बजट प्रस्तुत किया। बजट को लेकर उत्तराखंड राज्य में स्पेशल फोकस है। जिसको लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष रवि रस्तोगी ने भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ बजट को लेकर खुशी जाहिर की। जिलाध्यक्ष कमल जिंदल ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बजट में उत्तराखंड के किसान, युवा, महिलाएं, पर्यटन, रोजगार, आपदा आदि बिंदुओं पर बजट में स्थान दिलाया हैं। जिससे हर वर्ग लाभान्वित और सुविधाओं को प्राप्त करेगा। रविवार को बजट को लेकर सबकी नजरें दिल्ली पर टिकी रही।

यहां केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने बजट प्रस्तुत किया। भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल ने कहा कि प्रदेश की धार्मिक सरकार ने बजट में कामकाजी और शिक्षा ग्रहण करने वाली महिलाओं के लिए प्रत्येक जिले में महिला हॉस्टल खोलने की बात कही है। पिछले बजट में सरकार ने प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने पर जोर दिया था। इसके बाद हर जिले में मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो रहा है। इस बार का बजट किसानों, पिछड़ी गरीब और उद्योगपतियों और आमजन के लिए बेहतर बजट है। देश दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत बनने जा रहा है। युवाओं के लिए बड़े प्रावधान है। उन्होंने कहा कि यह बजट 1947 में जो विकसित भारत की बात है उसमें मील का पत्थर साबित होगा। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता महेश मित्तल, विजय सलूजा, अमित रस्तोगी, सौरभ अरोरा, सोनू जायसवाल, तस्लीम अंसारी, मुकर्रम अली, मनोज रस्तोगी आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ट्रेड यूनियनों और किसान संगठनों की होगी संयुक्त बैठक

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। श्रमिक संयुक्त मोर्चा के कार्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में 12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रीय आम हड़ताल की रणनीतियों पर चर्चा की गई। मोर्चे ने निर्णय लिया है कि आगामी 2 फरवरी को तमाम ट्रेड यूनियनों और किसान संगठनों के साथ साझा बैठक कर आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष दिनेश तिवारी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाई गई चार श्रम संहिताओं पर रोक लगाने की मांग को लेकर 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मजदूर विरोधी नीतियों के साथ-साथ किसान विरोधी बिजली संशोधन अधिनियम और बीज बिल भी लेकर आई है, जिससे किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है।राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त किसान मोर्चा ने भी इन कानूनों को वापस लेने की मांग का समर्थन करते हुए 12 फरवरी की हड़ताल में शामिल होने की घोषणा की है। दिनेश तिवारी ने बताया कि इस आंदोलन को व्यापक बनाने के लिए 2 फरवरी को केंद्रीय ट्रेड यूनियन ऐक्टू, सीएसटीयू, इंकलाबी मजदूर केंद्र, इंटक और सीटू सहित अन्य संगठनों व किसान प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक बुलाई गई है। औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत मजदूर यूनियनों ने अपनी प्रबंधन इकाइयों को हड़ताल से संबंधित नोटिस देने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। बैठक में मुकुल, दिनेश चंद्र, जगमोहन, उत्तम दास, अनुज कुमार राय, सुरेश, हीरा राठौर, महिपाल सिंह, केदार सिंह, कुलविंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह और दिनेश चंद्र सहित कई श्रमिक नेता उपस्थित रहे।

ट्रेडिंग के नाम पर 5.20 लाख की ठगी

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। साइबर फ्रॉड को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा लोगों को लगातार जागरूक करने के बावजूद भी साइबर अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब एक और मामले में साइबर ठगों ने टेलीग्राम एप के माध्यम से ट्रेडिंग वेबसाइट के जरिए एक युवक को झांसे में लेकर 5.20 लाख रुपये की आनलाइन ठगी कर ली। पीड़ित युवक ने साइबर क्राइम थाना हल्द्वानी में लिखित शिकायत दी है जिसके बाद पुलिस पूरे मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार हल्द्वानी कोतवाली क्षेत्र के एक युवक ने पुलिस में लिखित तहरीर देते हुए कहा है कि दिसंबर माह में टेलीग्राम एप के जरिए कुछ अज्ञात लोगों ने संपर्क कर उन्हें ट्रेंडिंग वेबसाइट का लिंक शेयर किया। वेबसाइट पर लॉग इन करने के लिए कहा। शुरुआत में विश्वास जीतने के लिए पहले दिन कुछ बोनस भी दिखाया गया, जिससे वे ठगों के जाल में फंस गए। 25 दिसंबर से 31 दिसंबर के बीच ठगों के बताए गए अलग-अलग खातों में उन्होंने कुल 5.20 लाख रुपये जमा कराए।पीड़ित का आरोप है कि इतनी बड़ी रकम जमा कराने के बावजूद न तो उन्हें कोई बोनस मिला और न ही उनकी मूल राशि वापस की गई। इसके बाद युवक को ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद जब उन्होंने संपर्क करने की कोशिश की तो ठगों ने जवाब देना बंद कर दिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाना हल्द्वानी में दर्ज कराई है। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच कर साइबर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।